◆ वर्ष - 35 ◆ अंक 63 ◆ www.skhnewstv.com ◆ 11 सितम्बर 2024 फिरोजाबाद ◆ पृष्ठ : 8 ◆ मूल्य : 1

दैनिक सच क्या है की प्रस्तुति

SKH NEWS

R.N.I.NO. 56725/89

सच क्या है

(उत्तर भारत का प्रमुख हिन्दी दैनिक)

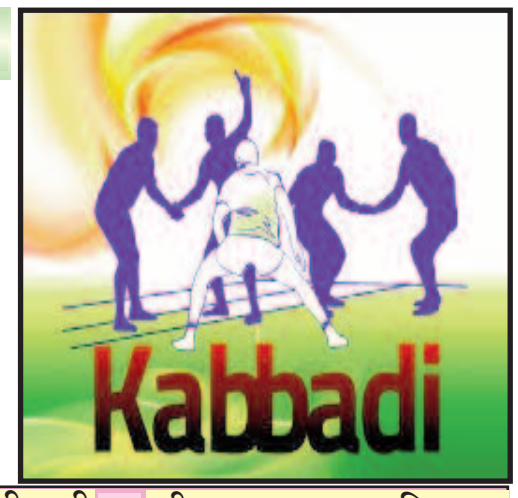

अंदर के पेज 3 विद्युत उपभोक्ता परिषद ने हर माह ईधन अधिभार शुल्क की गणना के फामूर्ले पर उठाया सवाल | 4 योगी सरकार में टीकाकरण को मिली रफ्तार तो खत्म हुआ जापानी इंसेफलाइटिस का खौफ | 5 सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में 42वें दीक्षान्त समारोह की तैयारी, कुलपति ने की समीक्षा | 6 माता शिव पार्वती की पूजा कर संतानों के दीर्घायु की कामना | 7 श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर श्रीराधा जन्म-महोत्सव की भव्यता होगी निराली

प्रधानमंत्री ने शोध पारिस्थितिकी तंत्र की बाधाओं को दूर करने पर बल दिया

नई दिल्ली, 10 सितंबर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के शोध पारिस्थितिकी तंत्र में बाधाओं की पहचान करने और उन्हें दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया है।

प्रधानमंत्री ने मंगलवार को अपने आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर नवगठित अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एनआरएफ) की पहली गवर्निंग बोर्ड बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिदृश्य तथा अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों को पुनः डिजाइन करने पर चर्चा की गई।

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज एनआरएफ की शासी निकाय की पहली बैठक के साथ एक नई शुरूआत हुई है। प्रधानमंत्री ने बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, उन्हें प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करने और पथ-प्रदर्शक अनुसंधान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि अनुसंधान को मौजूदा समस्याओं के नए समाधान खोजने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समस्याएं वैश्विक प्रकृति की हो सकती हैं, लेकिन उनका समाधान भारतीय आवश्यकताओं के अनुसार स्थानीय होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने संस्थानों के उन्नयन और मानकीकरण की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने विशेषज्ञता के आधार पर डोमेन विशेषज्ञों की सूची तैयार करने का सुझाव दिया। उन्होंने एक डैशबोर्ड विकसित करने की भी बात की, जहां देश में हो रहे शोध और विकास से जुड़ी जानकारी को आसानी से ट्रैक किया जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने अनुसंधान और नवाचार के लिए संसाधनों के उपयोग की वैज्ञानिक निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वाकांक्षी शुरूआत है, उन्होंने कहा कि देश के वैज्ञानिक समुदाय को यह विश्वास होना चाहिए कि उनके प्रयासों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी। अटल टिंकरिंग लैब्स के सकारात्मक प्रभावों पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि इन प्रयोगशालाओं की ग्रेडिंग की जा सकती है। उन्होंने पर्यावरण परिवर्तन के लिए नए समाधान, ईवी के लिए बैटरी सामग्री, प्रयोगशाला में उगाए गए हीरे आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान पर भी चर्चा की।

बैठक के दौरान, शासी निकाय ने हब और स्पोक मोड में एक कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया, जिसमें उन विश्वविद्यालयों को जोड़ा जाएगा, जहां अनुसंधान प्रारंभिक अवस्था में है तथा उन्हें मेंटरशिप मोड में शीर्ष स्तरीय स्थापित संस्थानों के साथ जोड़ा जाएगा।

शासी निकाय ने एएनआरएफ के रणनीतिक हस्तक्षेप के कई क्षेत्रों पर भी चर्चा की, जिसमें प्रमुख क्षेत्रों में भारत की वैश्विक स्थिति, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ अनुसंधान एवं विकास को संरेखित करना, समावेशी विकास को बढ़ावा देना, क्षमता निर्माण, वैज्ञानिक प्रगति और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाना। साथ ही उद्योग-संरेखित अनुवादात्मक अनुसंधान के माध्यम से शैक्षणिक अनुसंधान और औद्योगिक अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटना शामिल है।

एएनआरएफ इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) गतिशीलता, उन्नत सामग्री, सौर सेल, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य और चिकित्सा प्रौद्योगिकी, सतत कृषि और फोटोनिक्स जैसे चुनिंदा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में मिशन मोड में समाधान-केंद्रित अनुसंधान पर कार्यक्रम शुरू करेगा। शासी निकाय ने देखा कि ये प्रयास आत्मनिर्भर भारत की दिशा में हमारे प्रयासों को प्रभावी रूप से पूरक बनाएंगे।

उद्योग जगत की सक्रिय भागीदारी के साथ अनुवाद संबंधी शोध को रेखांकित करते हुए, शासी निकाय ने ज्ञान की उन्नति के लिए मौलिक शोध को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। मानविकी और सामाजिक विज्ञान में अंत:विषय अनुसंधान का समर्थन करने के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इस बात पर भी सहमति हुई कि शोध करने में आसानी प्राप्त करने के लिए लचीले और पारदर्शी वित्त पोषण तंत्र के साथ हमारे शोधकताओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता है।

शासी निकाय ने यह भी निर्देश दिया कि एएनआरएफ की रणनीतियों को विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों के अनुरूप होना चाहिए और कार्यान्वयन में दुनिया भर की अनुसंधान और विकास एजेंसियों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।

बैठक में शासी निकाय के उपाध्यक्ष के रूप में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, सदस्य सचिव के रूप में केंद्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, सदस्य (विज्ञान), नीति आयोग और सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग तथा उच्च शिक्षा विभाग इसके पदेन सदस्य के रूप में शामिल हुए। अन्य प्रमुख प्रतिभागियों में प्रो. मंजुल भार्गव (प्रिंसटन विश्वविद्यालय, यूएसए), डॉ. रोमेश टी. वाधवानी (सिम्फनी टेक्नोलॉजी ग्रुप, यूएसए), प्रो. सुब्रा सुरेश (ब्राउन विश्वविद्यालय, यूएसए), डॉ. रघुवेंद्र तंवर (भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद), प्रो. जयराम एन. चेंगलूर (टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च) और प्रो. जी. रंगराजन (भारतीय विज्ञान संस्थान) शामिल थे।

टाटा ग्रुप ने लॉकहीड मार्टिन से मिलाया हाथ, सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस का होगा निर्माण

नई दिल्ली, 10 सितंबर (हि.स.)। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और रक्षा उत्पाद बनाने वाली अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन के बीच एयरलिफ्टर प्रोजेक्ट को लेकर महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। दोनों कंपनियों ने सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस टैक्टिकल एयरलिफ्टर प्रोजेक्ट को लेकर साझेदारी शुरू करने का ऐलान किया है। भारतीय वायु सेना के मौजूदा बेड़े के साथ-साथ हरक्यूलिस फ्लीट की रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉलिंग फैसिलिटी का सेटअप तैयार करने की दिशा में काम किया जाएगा।

हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अमेरिका दौरे के समय भारत और अमेरिका के बीच रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर सहमति बनी थी। इसके बाद लॉकहीड मार्टिन और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के बीच हुए एयरलिफ्टर प्रोजेक्ट के समझौते को काफी महत्वपूर्ण डेवलपमेंट माना जा रहा है। दोनों कंपनियों के बीच हुए समझौते के मुताबिक एयरलिफ्टर प्रोजेक्ट के लिए एक फ्रेमवर्क तैयार किया जाएगा। भारतीय वायु सेना सी-130जे हरक्यूलिस का उपयोग करती है और उसके पास 12 विमानों का बेड़ा है। मौजूदा बेड़े के साथ-साथ हरक्यूलिस फ्लीट की रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉलिंग फैसिलिटी का सेटअप तैयार करने की दिशा में काम किया जाएगा।

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की ओर से कहा गया है कि अगर भारत और अमेरिका की सरकारों की ओर से मंजूरी मिली तो भारत में सी-130 जे की असेंबलिंग और मैन्युफैक्चरिंग के विस्तार के साथ-साथ वायु सेना के लिए मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट (एमटीए) प्रोग्राम के लिए विमान बनाने की दिशा में भी काम हो सकता है। ये इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वायु सेना आने वाले दिनों में 80 मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट खरीदने की योजना बना रही है। इसके लिए 2023 में ग्लोबल टेंडर भी जारी किया गया था, जिसको लेकर लॉकहीड मार्टिन ने भी पॉजिटिव रिस्पॉन्स दिया था। दावा किया जा रहा है कि अगर मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बनाने का कॉन्ट्रैक्ट लॉकहीड मार्टिन को मिला तो ये कंपनी भारत में असेंबली कैपेसिटी और एक्स्ट्रा प्रोडक्शन के लिए यूनिट भी स्थापित करेगी।

अमेरिकी एयरोस्पेस दिग्गज लॉकहीड मार्टिन और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) ने सी-130जे सुपर हरक्यूलिस टैक्टिकल एयरलिफ्टर के माध्यम से व्यापारिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए ह्यटीमिंग एग्रीमेंटह्न की घोषणा की है। लॉकहीड मार्टिन और टाटा के पास पहले से ही ह्यटाटा लॉकहीड मार्टिन एयरोस्ट्रक्चर लिमिटेडह्न नामक एक संयुक्त उद्यम है।

हैदराबाद के संयंत्र में अमेरिकी मुख्यालय वाली कंपनी की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के लिए सी-130 जे के कुछ हिस्सों का उत्पादन किया जाता है। लॉकहीड मार्टिन ने एक बयान में कहा कि यह घोषणा भारत की रक्षा और एयरोस्पेस क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ भारत-अमेरिका रणनीतिक संबंधों को गहरा करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह समझौता भविष्य के संभावित व्यावसायिक अवसरों पर सहयोग के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है।

राहुल गांधी पर भाजपा हमलावर, कहा-हंगामा करना ही उनका मकसद

नई दिल्ली, 10 सितंबर (हि.स.)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिका में एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि जब हालात होंगे तो आरक्षण खत्म हो जाएगा। राहुल गांधी के इस बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने निशाना साधते हुए उन पर हंगामा करने का आरोप लगाया। कहा कि सिर्फ हंगामा करना ही उनका मकसद है।

मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि आरक्षण के प्रति राहुल गांधी का जो पूर्वाग्रह है, वो अमेरिका में प्रचुर मात्रा में दिखाई दिया है। वे आरक्षण विरोधी हैं। आरक्षण का विरोध करना उनकी विरासत है। भाजपा ने कहा कि जिस संविधान की कॉपी लेकर वो घूम रहे हैं और संविधान को बचाने की बातें करते हैं, वह सबसे बड़ा छलावा और धोखा है।

रविशंकर प्रसाद ने पूछा कि क्या अखिलेश यादव, डीएमके राहुल गांधी के बयान से इत्तेफाक रखते हैं।

जिस संविधान को बचाने के लिए राहुल गांधी हाथ में लाल किताब लेकर घूम रहे हैं, वे दरअसल आरक्षण के विरोधी हैं। अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए इस टिप्पणी का क्या मतलब है।

यह उनका सोचा समझा षड़यंत्र हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस दलितों, आदिवासी के हितों का विरोध करती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जब भी विदेश जाते हैं तो वो देश को बदनाम करने का काम मिशन मोड में करते हैं। उनका चाइना प्रेम वहां दिखाई देता है।

रविशंकर ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि पार्टी परिवारवाद में डूबी हुई है। कांग्रेस का नेता कौन होगा, यह पहले से ही आरक्षित है।

वहां पर आदिवासी को स्थान नहीं मिल सकता। आपका कुछ भी परफॉरमेंस हो नेता वही ही रहेंगे।

दिल्ली में मद्रासी कैंप के निवासियों को हटाने की कार्रवाई पर अंतरिम रोक -पीडब्ल्यूडी और डीडीए के अधिकारियों से दस दिनों के अंदर मांगी स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (हि.स.)। दिल्ली हाई कोर्ट ने ओल्ड बारापुला पुल के पास मद्रासी कैंप के निवासियों को हटाने की कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी है। कार्यकारी चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच ने दिल्ली सरकार और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को नोटिस जारी किया है।

यह याचिका जंगपुरा में जेजे क्लस्टर मद्रासी कैंप के निवासियों ने दायर की थी। मद्रासी कैंप के निवासियों की ओर से पेश वकील ने कहा कि उन्हें 12 सितंबर को हटाने का नोटिस भेजा गया है। सुनवाई के दौरान डीडीए की ओर से पेश वकील प्रभसहाय कौर ने कहा कि बारापुला नाले पर मद्रासी कैंप का स्थान जल प्रवाह में बाधा डालता है।

तब कोर्ट ने कहा कि ये पता लगाने की जरूरत है कि क्या मद्रास कैंप पानी के प्रवाह को बाधित कर रहा है या नहीं। क्या यह हाल ही में आई बाढ़ की समस्याओं को देखते हुए एक महत्वपूर्ण कारक है। अगर मद्रासी कैंप जल प्रवाह को बाधित कर रहा है तो निश्चित रूप से इसे हटाया जाना चाहिए, क्योंकि शहर में अनावश्यक रूप से बाढ़ आ रही है। हम शहर को बार-बार बाढ़ की अनुमति नहीं दे सकते हैं। अगर नाले को साफ करना है तो इसे साफ करना होगा।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मद्रासी कैंप के निवासियों के पुनर्वास और उनके अधिकारों के संरक्षण का भरोसा दिया। कोर्ट ने कहा कि हम ये सुनिश्चित करेंगे कि मद्रासी कैंप के निवासियों को वैकल्पिक भूमि पर शिफ्ट किया जाए। हम अधिकारियों से आपके पुनर्वास के लिए कहेंगे। हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग और डीडीए के अधिकारियों को दस दिनों के अंदर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

सीबीआई की अदालत ने तुगलकाबाद आईसीडी के डिप्टी कमिश्नर सहित पांच आरोपितों को 14 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, 10 सितंबर (हि.स.)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) मामलों के राऊज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश की अदालत ने रिश्वतखोरी के एक मामले में तुगलकाबाद आईसीडी के डिप्टी कमिश्नर और सीमा शुल्क अधीक्षक सहित पांच व्यक्तियों को 14 सितंबर 2024 तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। सीबीआई ने गिरफ्तारी के पश्चात इन आरोपितों को आज अदालत में पेश किया था। सीबीआई ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

सीबीआई के मुताबिक रिश्वत लेने के मामले में इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी) तुगलकाबाद के उप-आयुक्त ओमप्रकाश बिष्ट, अधीक्षक अमित कुमार, उप आयुक्त के चापरासी बिजेन्द्र कुमार, मेसर्स अशोका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस समालखा, दिल्ली के कस्टम हाउस एजेंट अशोक यादव व रविकांत मिश्रा सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। इन आरोपितों के साथ मेसर्स राधा मार्केटिंग, मुंबई के कर्मचारी उमाचरण माझी, एक निजी व्यक्ति कुलदीप कुमार सहित सात आरोपितों पर चार दिन पहले 6 सितंबर को मामला दर्ज किया था।

सीबीआई के मुताबिक, आरोपित लोक सेवक दिल्ली स्थित निजी कंपनी के आरोपित कस्टम हाउस एजेंट (सीएचए) से मुंबई स्थित फर्म पर कम जुमार्ना लगाने के एवज में रिश्वत की मांग कर रहे थे। शिकायत मिलने व आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद दिल्ली, मुंबई, फरीदाबाद, गुरुग्राम, रायगढ़ और किन्नौर (हिमाचल प्रदेश) में 9 स्थानों पर तलाशी ली गई, जिससे आपत्तिजनक दस्तावेज और 19.25 लाख रुपये नकदी बरामद हुई।

सीबीआई के मुताबिक, इसके पहले मुंबई स्थित एक फर्म पर कम जुमार्ना लगाने के बदले में 72 हजार रुपये रिश्वत लेने के दौरान आरोपित डिप्टी कमिश्नर और सीएचए को गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई ने तुगलकाबाद के आईसीडी के आरोपित अधीक्षक को भी गिरफ्तार किया, जिसे 50 हजार रुपये रिश्वत दी गई थी। इस मामले में संलिप्तता के आधार पर शेष तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया।

आरबीआई ने एक्सिस और एचडीएफसी बैंक पर लगाया 2.91 करोड़ रुपये का जुमार्ना

मुंबई/नई दिल ली, 10 सितंबर (हि.स.)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वैधानिक और नियामकीय अनुपालन में कुछ खामियों के लिए एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक पर सख त कार्रवाई करते हुए कुल 2.91 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया है।

रिजर्व बैंक ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम के कुछ प्रावधानों के उल्लंघन के मामले में निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक पर क्रमशः 1.91 करोड़ रुपये और एक करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक के मुताबिक इस तरह दोनों बैंकों पर कुल मिलाकर 2.91 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगा है।

आरबीआई ने कहा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम के कुछ प्रावधानों और ह्यजमा पर ब्याज दरह्न, ह्यअपने ग्राहक को जानें (केवाईसी)ह्न तथा ह्यकृषि ऋण प्रवाह-गिरवी मुक्त कृषि ऋणह्न पर कुछ निदेर्शों का पालन नहीं करने के लिए एक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। वहीं, ह्यजमा पर ब्याज दरह्न, ह्यबैंकों के वसूली एजेंटोंह्न और ह्यबैंकों में ग्राहक सेवाह्न पर कुछ निदेर्शों का पालन नहीं करने के लिए एचडीएफसी बैंक पर एक करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया है।

रिजर्व बैंक ने कहा कि यह जुमार्ना वैधानिक और विनियामक अनुपालन में कमियों से संबंधित है। इससे बैंकों के अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेन-देन या समझौते की वैधता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

राष्ट्रपति ने भाजपा की दिल्ली सरकार को बर्खास्त करने की मांग को गृह सचिव को भेजा

नई दिल्ली, 10 सितंबर (हि.स.)। दिल्ली में संवैधानिक रिक्तता का हवाला देते हुए प्रदेश भाजपा ने राष्ट्रपति को दिल्ली सरकार को बर्खास्त करने का ज्ञापन सौंपा है। अब राष्ट्रपति ने इस ज्ञापन को गृह सचिव को आगे विचार के लिए भेजा है। इसके बाद से दिल्ली में राजनीति गरमा गई है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आबकारी नीति घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं। भाजपा उनसे इस्तीफे की मांग कर रही है और वे इसके लिए तैयार नहीं है। इसके चलते दिल्ली सरकार में कई कामकाज रुके हुए हैं।

इन्हीं का हवाला देते हुए भाजपा प्रदेश सरकार को बर्खास्त करने की मांग कर रही है।

दिल्ली प्रदेश भाजपा नेता एवं विधायक विजेन्द्र गुप्ता ने आज इसकी जानकारी दी है और राष्ट्रपति सचिवालय से प्राप्त पत्र साझा किया है। इसमें उनके ज्ञापन पर की गई कार्यवाही का जिक्र है।

गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में लगातार हो रहे संवैधानिक उल्लंघनों और शासन की विफलताओं के चलते उनके साथ सभी भाजपा विधायकों ने 30 अगस्त को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलकर दिल्ली सरकार की नाकामियों का ज्ञापन सौंपा था।

उन्होंने आगे कहा कि ज्ञापन का संज्ञान लेते हुए राष्ट्रपति ने इसे उचित कार्यवाही के लिये गृह सचिव को भेज दिया है। उन्हें पूरा विश्वास है कि सत्ता में रहने का नैतिक अधिकार खो चुकी आम आदमी पार्टी के खिलाफ उचित कार्रवाई होगी।

दिल्ली में राष्ट्रपति शासन की खबरों पर अपनी बात साझा करते हुए वरिष्ठ आआपा नेता व दिल्ली कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि,भाजपा चोर दरवाजे से दिल्ली की चुनी हुई सरकार को बर्खास्त करना चाहती है। उन्होंने कहा कि, भाजपा का एक मात्र काम चुनी हुई विपक्षी सरकारों को गिराना है।

वहीं सांसद संजय सिंह ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में एक बार फिर हारेगी।

यह उसे निर्धारित करना है कि आज हारना है कि चार महीने बाद हारना है। आआपा दिल्ली में चुनावों के लिए तैयार है।

सम्पादकीय

पर्यटन की दुकान

पर्यटन तेरे नाम अनेक, लेकिन तेरे आसरे एक बड़ी दुकान चल सकती है। पर्यटन हमेशा हिमाचल की नीतियों, बजट की रीतियों तथा व्यापार की खूबियों में रहा है। एक समय ऐसा था जब सारा दारोमदार हिमाचल पर्यटन विकास निगम के कंधों पर था और तब डाक बंगलों के निखार में कुछ सरकारी होटल आ गए अवतार में। इसी दौर में पड़ोसी हरियाणा की टूरिज्म डिवेलपमेंट कार्पोरेशन ने हाईवे टूरिज्म की सौगात से सारी सडकों को चिन्हित कर दिया। राजस्थान ने सांस्कृतिक व धरोहर पर्यटन को अपना नाम दे दिया। गुजरात अपनी ऋतुओं से आगे निकल कर इवेंट हो गया और इसी तरह केरल के बैक वाटर और कहीं उत्तराखंड व गुजरात के जंगलों में शेर-चीते सैलानियों को रिझाने लगे, लेकिन हम केवल पर्यटन को चारा डालते रहे। अगर कश्मीर अपनी इश्यावलियों के भीतर अशांति से भयभीत न होता, तो शायद ही किसी पर्यटन के काबिल अपना प्रदेश होता। हम पर्यटन को चारा समझते रहे, सिर्फ एक परियोजना या बिना किसी प्राथमिकता और विमर्श के इसे सियासत में जोतते गए, नतीजतन सरकारी होटलों की इमारतों के भीतर घाटे का प्रबंध होने लगा। खैर निजी क्षेत्र समझा तो निवेश ऐसा सिर चढ़ बोला कि डलहौजी चप्पे-चप्पे पर कांप गया, मकलोडगंज का सूरज होटलों में छुप गया तथा मनाली पर्यटन को भीड़ बनाकर खुद को कोसने लगी। कमाया होगा रोहतांग की बर्फ ने या कुफरी की ढलानों ने, मगर वहां प्रकृति ने जो खोया, वह पर्यटन था ही नहीं। भले ही हम सैलानियों की गिनती में दो करोड़ का आंकड़ा छूने वाले हैं, लेकिन पर्यटन की मिलकियत में पहाड़ सा अजूबा है कहां। आज भी हम सोच रहे हैं कि प्रदेश की प्राकृतिक या मानव निर्मित झीलों को सैरगाह बनाएंगे, वहां पर्यटन का शिकारा चलाएंगे, मगर पौंग में बाथू की लड़ी और बिलासपुर में डूबे मंदिर आज भी रुलाएंगे।

क्या हमने उत्तराखंड जैसी कोई फूलों की घाटी खोज ली, क्या हमने सैलानियों को बुलाने के बहाने बढ़ा लिए। पर्यटन को सीजन बनाकर हमने अपनी संभावनाओं को चार महीनों की मनमाफिक कैद दे दी, लेकिन साल के शेष आठ महीने जाया कर दिए। अगर पर्यटक के दिन और महीने बढ़ाने हैं, तो सबसे पहले पहले पर्यटन डेस्टिनेशन को सीमांत जिलों मसलन ऊना, बिलासपुर, सिरमौर, सोलन व प्रमुख धार्मिक स्थलों पर स्थापित करना होगा। हमने अटल टनल को हाल ही में पर्यटक डेस्टिनेशन तो बना दिया, लेकिन सुरंग को छूकर सैलानी अगर मनाली को ही भर रहे, तो हमारी पर्यटन योजना का ट्राइब कब लाहौल-स्पीति में बसेगा। हमने मंदिरों को श्रद्धालु माना, लेकिन गिनती में पर्यटक गिना। हम मंदिर आय को संपत्ति नहीं मानते, इसलिए आठ सो करोड़ के सोने को जमा रखते हैं। अगर इतने ही सोने से गोल्ड लोन लेकर आठ-दस धार्मिक नगरियां बना दें, तो तीर्थाटन के रास्ते पर पर्यटन आर्थिकी का सिंह द्वार बना सकते हैं। इसी तरह प्रदेश के मेलों, सांस्कृतिक समारोहों तथा विभिन्न आयोजनों से इवेंट्स पर्यटन को आमंत्रित कर सकते हैं। विडंबना यह है कि कानवेंशन टूरिज्म के नाम पर हम एक भी केंद्र विकसित नहीं कर पाए। ऐसे में इको टूरिज्म के संबंध में विधायक केवल सिंह पठानिया के संकल्प प्रस्ताव को भी ढंग से पढ़ा जाए, तो हर जंगल में पर्यटन का मंगल हो सकता है। पर्यटन को नई संपत्तियां का जंगल बनाने से पहले प्रदेश के करीब दो हजार डाक बंगलों में अगर पर्यटन की बहार ही खोज लें, तो साल भर के आगमन से ये सारे स्थल डेस्टिनेशन बन सकते हैं, क्योंकि सबसे खर्चीले सैलानी को कुछ दिन का सुकून चाहिए। सुकून से जुड़ा पर्यटन डाक बंगलों के मार्फत आयुर्वेद परंपरा को भी अपना लेगा।

स्वामी विवेकानन्द का वो 11 सितंबर का दिन !

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वैसे तो इतिहास की हर तरीख किसी न किसी खास विषय के लिए जानी जाती है, किंतु वो तारीख थी सन 1893 में 11 सितम्बर की, जो सदैव के लिए भारत के अद्वैत वेदांत की आधुनिक युग में विजय पताका के लिए प्रसिद्ध हो गई है । भारत से आए भगवाधारी 30 साल के युवा संन्यासी स्वामी विवेकानन्द ने शिकागो की धर्मसभा में जो बोला- "अमेरिका के मेरे भाइयों और बहनों"। बस, उनका यह कहना रहा कि फिर क्या था ! उनके कहे ये दो शब्द इतिहास के पन्नों में वो शब्द बन गए, जिसने आर्ट इंस्टीट्यूट ऑफ शिकागो को पूरे दो मिनट तक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजने पर मजबूर कर दिया और आज भी उस दिन की याद में विवेकानन्द को याद करते हुए विश्व भर में अनेकों स्थान पर भारतीय धर्म-दर्शन के मर्म को समझने का प्रयास होता है।

स्वामी विवेकानंद ने आगे कहा- मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसे देश से हूं, जिसने इस धरती के सभी देशों और धर्मों के सताए लोगों को अपने शरण में रखा है। आपने जिस स्नेह के साथ मेरा स्वागत किया है उससे मेरा दिल भर आया है, मैं आपको अपने देश की प्राचीन संत परंपरा की तरफ से धन्यवाद देता हूं। मैं आपको सभी धर्मों की जननी की तरफ से भी धन्यवाद देता हूं और सभी जाति, संप्रदाय के लाखों, करोड़ों हिंदुओं की तरफ से आभार व्यक्त करता हूं। मेरा धन्यवाद कुछ उन वक्ताओं को भी जिन्होंने इस मंच से यह कहा कि दुनिया में सहनशीलता का विचार सुदूर पूरब के देशों से फैला है। मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसे धर्म से हूं, जिसने दुनिया को सहनशीलता और सार्वभौमिक स्वीकृति का पाठ पढ़ाया। हम सिर्फ सार्वभौमिक सहनशीलता में ही विश्वास नहीं रखते, बल्कि हम विश्व के सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं।

मुझे गर्व है कि हमने अपने दिल में इजराइल की वो पवित्र यादें संजो रखी हैं, जिनमें उनके धर्मस्थलों को रोमन हमलावरों ने तहस-नहस कर दिया था, फिर उन्होंने दक्षिण भारत में शरण ली। मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसे धर्म से हूं जिसने पारसी धर्म के लोगों को शरण दी, लगातार अब भी उनकी मदद कर रहा है।

भाइयों, मैं आपको एक श्लोक की कुछ पंक्तियां सुनाना चाहूंगा, जिन्हें मैंने बचपन से स्मरण किया और दोहराया है और जो रोज करोड़ों लोगों द्वारा हर दिन दोहराया जाता है "रुचिनां वैचित्र्यादृजुकुटिलनानापथजुषाम् नृणामेको गम्यस्त्वमसि पयसामर्णव इव..." इसका अर्थ यह है कि जिस तरह अलग-अलग स्त्रोतों से निकली विभिन्न नदियां अंत में समुद्र में जाकर मिल जाती हैं, उसी तरह मनुष्य अपनी इच्छा के अनुरूप अलग-अलग मार्ग चुनता है, जो देखने में भले ही सीधे या टेढ़े-मेढ़े लगें, परंतु सभी भगवान तक ही जाते हैं।

इसी भाषण में स्वामी विवेकानन्द आगे बोले, मुझे पूरी उम्मीद है कि आज इस सम्मेलन का शंखनाद सभी हठधर्मिताओं, हर तरह के क्लेश, चाहे वे तलवार से हों या कलम से, और सभी मनुष्यों के बीच की दुर्भावनाओं का विनाश करेगा। मौजूदा सम्मेलन जो कि आज तक की सबसे पवित्र सभाओं में से है, वह अपने आप में गीता में कहे गए इस उपदेश इसका प्रमाण है। ''जो भी मुझ तक आता है, चाहे कैसा भी हो, मैं उस तक पहुंचता हूं। लोग अलग-अलग रास्ते चुनते हैं, परेशानियां झेलते हैं, लेकिन आखिर में मुझ तक पहुंचते हैं।' सांप्रदायिकता, कट्टरता और इसके भयानक वंशजों के धार्मिक हठ ने लंबे समय से इस खूबसूरत धरती को जकड़ रखा है। उन्होंने इस धरती को हिंसा से भर दिया है और कितनी ही बार यह धरती खून से लाल हो चुकी है।

न जाने कितनी सभ्याताएं तबाह हुईं और कितने देश मिटा दिए गए। यदि ये खौफनाक राक्षस नहीं होते तो मानव समाज कहीं ज़्यादा बेहतर होता, जितना कि अभी है। लेकिन उनका वक्त अब पूरा हो चुका है।

मुझे उम्मीद है कि इस सम्मेलन का बिगुल सभी तरह की कट्टरता, हठधर्मिता और दुखों का विनाश करने वाला होगा। चाहे वह तलवार से हो या फिर कलम से।

वस्तुतः इन शब्दों ने ये साफ कर दिया कि वे उस देश से आते हैं जहां वसुधैव कुटुम्बकम् सनातन धर्म का मूल संस्कार और विचारधारा है। जिसमें पूरी दुनिया एक परिवार है। जिस वक्त ब्रिटेन समेत चर्च के माध्यम से ये बताने का प्रयास हो रहा था कि भारत सपेरों, जादू-टोना करनेवालों, अनपढ़-गंवारों का देश है। अंग्रेज और ईसाई मिशनरी के माध्यम से वहां जाकर भारत के लोगों को सभ्य बनाने का काम किया जा रहा है । निश्चित ही जो स्वामी विवेकानन्द ने बोला, उस सभा में बैठे हुए सभी 7000 लोगों को यह सोचने पर विवश कर रहा था कि जैसी तस्वीर भारत की हमें बताई जा रही थी, उससे पूरी तरह से भिन्न और आध्यात्मिक शिखर पर कई गुना हमारी सभ्यता और संस्कृति से उन्नत भारत है, इसलिए वे स्वामी विवेकानंद के इन शब्दों से मंत्र-मुग्ध हो जाते हैं।

आगे स्वामी विवेकानन्द की यात्रा सिर्फ अमेरिका को ही नहीं संपूर्ण यूरोप को भारत के आध्यात्म और अद्वैत वेदान्त की उदात्त शिक्षाओं का ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती हुई दिखाई देती है। वो 11 सितम्बर की तारीख ही थी जिसने भारत के प्रति उन तमाम नेरेटिव को ध्वस्त कर दिया जोकि चर्च और तमाम कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट चर्च तत्कालीन समय में बना रह थे। कहना होगा कि स्वामी विवेकानन्द की शिकागो यात्रा अब इतिहास में प्रसिद्ध हो चुकी थी, न केवल ये यात्रा बल्कि उसके बाद उनकी सभी यात्राओं ने भारत की आध्यात्मिकता और वेद वाक्यों को पूरी दुनिया की नजर में आधुनिक सोच के साथ पुनः स्थापित करने का काम कर दिया, जिसकी अनन्त यात्रा के साक्षी आज हम और आप 21 वीं सदी वर्ष 2024 में भी हैं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।

आज का राशिफल

मेष : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष : आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क : नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह : कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अत आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या : भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला : योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक : व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर : मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ : मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

धान की खेती से गहराया पंजाब-हरियाणा में जल संकट

डॉ. सत्यवान सौरभ

पंजाब और हरियाणा में धान की कृषि भारत की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, परंतु जल पर अत्यधिक निर्भरता के कारण यह असंधारणीय होती जा रही है। धान की कृषि के कारण भूजल का अत्यधिक दोहन होने से इस क्षेत्र में गंभीर जल संकट उत्पन्न हो गया है। हरियाणा में 88 जल इकाइयों को अत्यधिक दोहन वाली श्रेणी में रखा गया है। इस समस्या से निपटने के लिए कृषि और जल संसाधनों दोनों की सुरक्षा हेतु तत्काल सुधार की आवश्यकता है।

पंजाब और हरियाणा में धान की खेती के लिए अत्यधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है, जिससे भूजल स्तर में भारी कमी हुई है। केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा 2023 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि धान की खेती के लिए अत्यधिक जल दोहन के कारण पंजाब के 87 प्रतिशत ब्लॉकों का अति दोहन किया गया। धान की खेती में प्रति किलोग्राम चावल के लिए लगभग 4,000-5,000 लीटर जल की खपत होती है, जिससे क्षेत्र के जल संसाधनों पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ता है। इसकी तुलना में बाजरे को प्रति किलोग्राम केवल 500 लीटर जल की आवश्यकता होती है, जो जल की आवश्यकताओं में भारी अंतर और धान की खेती की असंधारणीय प्रकृति को दशार्ता है। ट्यूबवेल के लिए दी जाने वाली मुफ्त बिजली ने भूजल के अनियंत्रित दोहन को बढ़ावा दिया है, जिससे यह संकट और भी बढ़ गया है।

पंजाब के किसानों को वर्ष 2023-24 में बिजली, नहर के पानी और उर्वरक के लिए 38,973 रुपये प्रति हेक्टेयर की सब्सिडी मिली, जिससे भूजल का निरंतर रूप से अतिदोहन हो रहा है। धान की खेती के कारण बढ़ता जल तनाव ,जलवायु परिवर्तन के कारण और भी अधिक हो गया है, अनियमित वर्षा के कारण जलभृतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पंजाब और हरियाणा के जल स्तर में तेजी से हो रही गिरावट से कृषि की दीर्घकालिक व्यवहार्यता को खतरा है।

धान की खेती एकल फसल प्रणाली को बढ़ावा देती है, जिससे जैव विविधता कम होती है और मृदा के पोषक तत्व कम होते हैं, जिससे कृषि संधारणीयता में कमी आती है। अध्ययनों के अनुसार फसल चक्रण से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है परंतु धान की खेती ऐसी विविधता को हतोत्साहित करती है। जल की अधिक माँग के कारण रासायनिक उर्वरकों का उपयोग भी बढ़ जाता है, जिससे मृदा की गुणवत्ता और भी खराब हो जाती है तथा जल स्त्रोत प्रदूषित हो जाते हैं। बाढ़ सिंचाई, धान की खेती में प्रयुक्त होने वाली एक प्रमुख विधि है, जिससे वाष्पीकरण और अपवाह के माध्यम से जल की बहुत बबार्दी होती है। निरंतर धान की खेती से मृदा लवणता बढ़ जाती है, जिससे कृषि भूमि की उत्पादकता कम हो जाती है और यह अन्य फसलों के लिए कम उपयुक्त हो जाती है। धान के खेत, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, विशेष रूप से मीथेन के उत्सर्जन में जो जलवायु परिवर्तन को बढ़ाता है और दीर्घकालिक कृषि व्यवहार्यता को प्रभावित करता है। धान की खेती प्रति हेक्टेयर पांच टन काबोर्डीऑक्सीडे समतुल्य हानिकारक गैस उत्पन्न करती है , जो इसे कृषि उत्सर्जन में एक प्रमुख योगदानकर्ता बनाती है।

दालों, तिलहनों और बाजरा जैसी कम जल की खपत वाली फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने से जल का उपयोग काफी कम हो सकता है और संधारणीयता में सुधार हो सकता है। पंजाब की 2024 की योजना धान को छोड़कर वैकल्पिक फसलों को उगाने के लिए 17,500 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रोत्साहन की पेशकश करती है , जिसका उद्देश्य विविधीकरण को प्रोत्साहित करना है। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए धान से अन्य संधारणीय फसलों पर सब्सिडी को पुनर्निर्देशित करना आवश्यक है। डायरेक्ट सीडिंग ऑफ राइस और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों जैसी प्रथाओं को बढ़ावा देने से पैदावार को बनाए रखते हुए जल संरक्षण में मदद मिल सकती है। एमएसपी और खरीद कार्यक्रमों के माध्यम से दालों और तिलहन जैसी फसलों के लिए बाजार आश्वासन सुनिश्चित करने से किसानों के धान के अलावा अन्य फसलों को उगाने का डर , कम हो सकता है। भारतीय खाद्य निगम ने वर्ष 2023 में पंजाब का 92.5 फीसद चावल खरीदा, इसी तरह के तंत्र वैकल्पिक फसलों को उगाने की प्रथा को बढ़ावा दे सकते हैं।

फसल विविधीकरण और जल-बचत प्रथाओं के लाभों के संबंध में किसानों को शिक्षित करने से दीर्घकालिक परिवर्तन को बढ़ावा मिल सकता है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वित प्रयास , पुनर्गठित सब्सिडी , जल-कुशल प्रथाओं और बाजार आश्वासन पर ध्यान केंद्रित करके, पंजाब और हरियाणा को सतत कृषि की ओर उन्मुख किया जा सकता है। इस तरह के सुधार कृषि उत्पादकता को पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित करेंगे, क्षेत्र के जल संसाधनों को सुरक्षित करेंगे और इसके कृषक समुदायों के भविष्य को सुनिश्चित करेंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जिलाधिकारी ने पीएचसी का किया निरीक्षण, कम टीकाकरण होने पर जताई नाराजगी

शाहजहांपुर, 10 सितम्बर (हि.स.)। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने मंगलवार को कटिया टोला स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सिर्फ तीन बच्चों

के टीकाकरण होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए अधिक से अधिक से टीकाकरण कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने उपस्थिति रजिस्टर, ओपीडी रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर एवं दवा वितरण इत्यादि रजिस्टरों का निरीक्षण किया। मरीजों से भी वार्ता की और फार्मासिस्ट से दवाइयों के विषय में भी जानकारी ली।दवाओं की उपलब्धता और वितरण कंप्यूटर में दर्ज न होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सारा डाटा कंप्यूटर में फीड करने के निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने टीकाकरण के बारे में जानकारी ली।सिर्फ तीन बच्चों का टीकाकरण होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए एएनएम को निर्देश दिए कि बच्चों को घर-घर से बुलाकर टीकाकरण कराया जाए।

जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर बच्चों को लखनऊ के लिए किया रवाना

अटल आवासीय विद्यालय योजनांतर्गत कक्षा छह और कक्षा नौ में प्रवेश के लिए चयनित 70 बच्चों को जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर लखनऊ के लिए रवाना किया। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले से पात्र निर्माण श्रमिकों के 70 बच्चों का चयन परीक्षा के माध्यम से हुआ था। जिन्हें आज लखनऊ के लिए रवाना किया गया। जिलाधिकारी ने चयनित सभी बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकमनाएं दीं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बच्चों के भोजन आदि सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए।

प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में इंसानी अभिरुचि कम क्यों ?

डॉ. रमेश ठाकुर

वन संपदा हमारे जीवन में कुदरती उपहार है। इसलिए इसका संरक्षण करना मानव का पहला कर्तव्य है। राष्ट्रीय वन शहीद दिवस पर इस पर चिंतन करना जरूरी हो जाता है। यह दिवस उन वीरों को समर्पित होता है जिन्होंने भारतीय जंगलों और उसमें रहने वाले तमाम बेजुबान वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए खुद को मिटा दिया। यह खास दिन हिंदुस्तान में सालाना 11 सितंबर को मनाया जाता है। वर्ष 2013 में केंद्रीय पर्यावरण, वन एंव जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने विशेष रूप से इस तिथि को चुना था। इसे1730 में हुए ऐतिहासिक "खेजरली नरसंहार" के साथ भी जोड़ा जाता है। ताकि लोग उस घटना को याद कर सकें। खेजड़ली नरसंहार भारतीय इतिहास की एक ऐसी घटना है जिसे कोई भूल नहीं सकता। घटना बिश्नोई समुदाय से जुड़ी है जिनके सदस्यों ने मारवाड़ साम्राज्य में पेड़ों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बलि दे दी थी। उनके 363 सदस्यों ने महाराजा अभय सिंह राठौर के आदेश पर खेजड़ी के पेड़ों को कटने से बचाने के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। पेड़ों के प्रति उनका ऐसा बलिदान, जिसे सुनकर लोगों की आज भी रूह कांप उठती है।

वनों की मौजूदा स्थिति पर गौर करें तो करीब एक तिहाई जंगली हिस्सा इंसानों ने अपनी जरूरतों के लिए रौंद दिया है। भारत में वनों और वृक्षों का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल अब 7,13,789 वर्ग किलोमीटर है जिसमें 2.91 प्रतिशत क्षेत्र में वृक्ष की बहुतायत है। आज का खास दिन जनमानस को वन संपदा और जंगली जानवरों की रक्षा के लिए जागरूक करने को समर्पित है। क्योंकि जिस हिसाब से वनों की कटाई और जानवरों की तस्करी हो रही है, उससे लगता है कि आने वाली पीढ़ियां कहीं इन कुदरती उपहारों से वंचित न हो जाएं। तभी ये दिवस हमारे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व की तरह मार्मिक याद दिलाता है। साथ ही उन वन रक्षकों, रेंजरों और अधिकारियों-कर्मचारियों को श्रद्धांजलि भी देता है जो भारतीय वनों के संरक्षण-संरक्षण के लिए अपना सारा जीवन समर्पित कर चुके हैं और कर रहे हैं।

सरकारी आंकड़ों पर गौर करें, तो जंगलों से करीब 7,204 मिलियन टन कार्बन स्टॉक अर्जित होता है जिसमें बीते 3 वर्षों में 79.4 मिलियन टन की वृद्धि दर्ज हुई है।

कार्बन स्टॉक में वार्षिक वृद्धि 39.7 मिलियन टन बताई गई है। ये तब है जब कई राज्यों में वन सिमट गए हैं। दुख इस बात का है कि वनीय क्षेत्र में मानवीय हिमाकतें धड़ल्ले से जारी हैं, उन्हें रोका जाना चाहिए। क्षेत्रफल के हिसाब से, मध्य प्रदेश ही वन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र आते हैं। फिर शीर्ष पांच राज्यों में मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर और नगालैंड शामिल हैं। ये राज्य आज भी वन संपदा से लबरेज हैं। देश के यूटी राज्य तो वनहीन हैं। दिल्ली, चंडीगढ़ जैसे प्रदेशों में जंगलों का नामोनिशान तक नहीं हैं।

भारत के टाइगर रिजर्व, कॉरिडोर और शेर संरक्षण क्षेत्र में जिन तकनीकों से वनावरण किया जा रहा है, ये तकनीक अभी तक सफल रही है। देश में वन और वृक्ष संसाधनों पर बनी पुरानी नीतियों, योजनाओं को दीर्घकालिक प्रबंधन में तब्दील करके नई धार देने की आवश्यकता है। वनों की रक्षा डिजिटल और आधुनिक किए जाने की दरकार है। मानव जीवन में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका और उसकी सुरक्षा कैसे की जाए, इसकी आज ज्यादा से ज्यादा जागरुकता फैलाने की दरकार है। केंद्रीय वन मंत्रालय द्वारा आज विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों के लिए जो कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, उनमें लोगों को बताना चाहिए कि उनके अभियान से आमजन कैसे जुड़े और कैसे अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें, क्योंकि बिना जागरुकता लाए, सफलता नहीं मिल सकती।

गांव-देहातों की पाठशाला, स्कूल, कॉलेज और सामुदायिक केंद्रों में वनों के महत्व, वन्यजीव संरक्षण और वन शहीदों द्वारा किए गए बलिदान के विषय में युवा पीढ़ी को नियमित रूप से शैक्षिक कार्यक्रम, सेमिनार और कार्यशालाओं के जरिए जागरूक करते रहना चाहिए। मात्र एक दिनी जागरूक कार्यक्रम से बात नहीं बनने वाली। सरकारी स्तर पर पौधरोपण अभियान तो पूरे साल ही चलते रहना चाहिए। हम सभी को अपने बच्चों के साथ प्रकृति से जुड़ने, उसकी सुंदरता को करीब से निहारने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व पर विचार करने के लिए नजदीकी वन, राष्ट्रीय उद्यान या वन्यजीव अभयारण्य में साल में किसी एक दिन जरूर जाना चाहिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विद्युत उपभोक्ता परिषद ने हर माह ईंधन अधिभार शुल्क की गणना के फामूर्ले पर उठाया सवाल

लखनऊ, 10 सितम्बर (हि.स.)। विद्युत नियामक आयोग की 26वें स्थापना दिवस पर उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने विद्युत

नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्य से की मुलाकात की। इसके साथ ही ईंधन अधिभार शुल्क पर बन रहे

कानून का विरोध करते हुए संशोधन की मांग उठाई।

मंगलवार को नियामक आयोग में पहुंचकर उपभोक्ता

परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने हर महीने ईंधन अधिभार

शुल्क की गणना के फॉमूर्ले पर सवाल उठाया। उसमें कुछ नया क्लाज जोड़ने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं के सरप्लस की दशा में ईंधन अधिभार शुल्क की राशि को उसमें से घटाया जाए।

नियामक आयोग के स्थापना दिवस पर

उपभोक्ता परिषद ने आयोग से अपने पुराने संघर्षों की कहानी साझा की। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार

समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन अरविंद कुमार

व नियामक आयोग के सदस्य संजय कुमार सिंह से मुलाकात की।

प्रदेश के 3 करोड़ 45 लाख विद्युत

उपभोक्ताओं की तरफ से उनका आभार व्यक्त किया और भारत के संविधान की प्रति सौंपी। इसके साथ ही उन्हें बधाई दी।

उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने कहा विद्युत नियामक

आयोग प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं के हितों में उनका संरक्षण करने के लिए 10 सितंबर 1998 में गठित किया गया था, जो विद्युत अधिनियम 2003 के प्रावधानों के तहत

उपभोक्ताओं की सेवा व उनके हितों में समय-समय पर नियम विनियम बनाता है। निश्चित तौर पर इन 26 वर्षों में प्रदेश के विद्युत

उपभोक्ताओं के हितों में विद्युत नियामक आयोग ने अनगिनत हजारों फैसले किये और प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को बहुत लाभ भी मिला अपेक्षा

है कि आगे भी विद्युत नियामक आयोग उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए हमेशा तत्पर रहेगा।

अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि विद्युत नियामक आयोग द्वारा प्रस्तावित नए कानून में यह भी नया क्लास जोड़ा जाए कि बिजली कंपनियों का फ्यूल सरचार्ज के मद में जो राशि निकलेगी, उसे अनिवार्य रूप से उपभोक्ताओं के पहले से निकले सरप्लस राशि से घटायो जाएगा। यदि किसी भी स्थिति में बिजली कंपनियों का सरप्लस निकलेगा, तभी उन्हें आयोग ईंधन अधिभार शुल्क वसूलने की इजाजत देगा।

उपभोक्ता परिषद ने अपने प्रस्ताव में यह भी कहा कि यह कानून जिस प्रकार से प्रस्तावित है। यदि इस प्रकार से लागू कर दिया गया तो उपभोक्ताओं के लिए काला कानून साबित होगा। इसलिए उसमें अनिवार्य

रूप से या संशोधन भी किया जाए बिना आयोग की अनुमति के बिजली कंपनियां स्वत वसूली कर ले ऐसा नहीं होगा। इसके साथ ही उपभोक्ता परिषद ने कहा वर्तमान में जो फामूर्ला प्रस्तावित किया गया है। उस फामूर्ले से कभी प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को लाभ तो नहीं मिलेगा।

प्रदेश स्तरीय कबड्‌ डी प्रतियोगिता 18 से, टेबिल टेनिस की भी होगी प्रतियोगिता

लखनऊ, 10 सितम्बर (हि.स.)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी वर्ष पर राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष कबड्‌ डी

प्रतियोगिताओं का आयोजन होना है। इसमें एक कौशांबी, दूसरा अलीगढ़ और तीसरा गोंडा में होगा। इस प्रतियोगिताओं में सभी मंडलों से प्रतिभागी हिस्सा

प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 20 सितम्बर तक गोंडा में किया जाएगा। इसके लिए जिला और मंडल स्तर पर चयन प्रक्रिया शुरू हो गयी है। वहीं कौशांबी में प्रदेश स्तरीय जूनियर बालिका कबड्‌ डी प्रतियोगी होगी। वहीं टेबिल टेनिस प्रतियोगिता 26 से 28 सितम्बर को अलीगढ़ में होगा।

इस संबंध में खेल निदेशक डॉ. आर.पी. सिंह ने बताया कि शासन स्तर से खेलों पर विशेष बल दिया जा रहा है। इस माह प्रदेश स्तर पर तीन

लेंगे।

इसके लिए पहले जिला स्तर पर चयन प्रक्रिया होनी है। इसके बाद मंडल स्तर पर और फिर मंडल

स्तर पर चयनित खिलाड़ी प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि सभी जिला और मंडल स्तर पर चयन प्रक्रिया के लिए निर्देश दिये जा चुके हैं। हर जगह तैयारियां चल रही हैं। चयन के बाद सभी मंडल स्तर के खिलाड़ियों का नाम प्रदेश स्तर पर आ जाएगा।

69 हजार शिक्षक भर्ती: अभ्यर्थियों ने एक बार फिर घेरा उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का आवास

लखनऊ, 10 सितंबर (हि. स.)। सुप्रीम कोर्ट से लौटने के बाद एक बार फिर 69 हजार शिक्षक भर्ती में शामिल आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने मंगलवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव

किया। लखनऊ हाई कोर्ट डबल बेंच से दिए गए फैसले का पालन न किए जाने से अभ्यर्थी नाराज है। इसी को लेकर केशव प्रसाद के घर के सामने धरने पर बैठे हैं। बड़ी संख्या में पहुंचे अभ्यर्थी यहां जोरदार नारेबाजी कर रहे हैं। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। यहां बैठे अभ्यर्थी केशव चाचा न्याय करो का नारा लगाकर धरने पर बैठ गए हैं।

अभ्यर्थियों का कहना है कि हाई कोर्ट का जो फैसला आया था सरकार ने उसे जानबूझ कर लटका दिया, जिससे यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट में चला गया। सरकार के पास पर्याप्त समय था वह हाईकोर्ट डबल बेंच के फैसले का पालन करके सबके साथ न्याय कर सकती थी।

धरना प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने बताया कि वर्ष 2018 में यह भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई थी। जब इसका परिणाम आया तो इसमें व्यापक

स्तर पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया गया और उन्हें नौकरी देने से वंचित कर दिया गया। एक लंबे आंदोलन और न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने के बाद बीते 13 अगस्त 2024 को लखनऊ हाई कोर्ट के डबल बेंच ने हम आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के हित में फैसला सुनाया और नियमों का पालन करते हुए अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिए जाने का आदेश दिया। लेकिन सरकार इस प्रकरण में हीला हवाली करती रही।

पटेल ने कहा कि उन्होंने दो सितंबर को भी केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव किया था तब उन्होंने त्वरित न्याय किए जाने की बात कही थी और हम अभ्यर्थियों से मुलाकात भी की थी। लेकिन उनकी बात को भी अधिकारियों ने नहीं माना अब यह मामला माननीय सुप्रीम कोर्ट में चला गया। हम पिछड़े दलित गरीब अभ्यर्थी अधिकारियों और सरकार के इस रवैया से काफी हताश और परेशान हैं। जो काम कुछ दिनों में हो सकता था उसे इतना लंबा जानबूझकर टाल दिया गया है। केशव जी का त्वरित न्याय की टिप्पणी, खाने के दांत अलग और दिखाने के दांत अलग साबित हुआ। त्वरित न्याय की कोई सीमा होती है यह नहीं की महीनों मामला लटक रहे।

पटेल ने कहा सुप्रीम कोर्ट ने पूरे प्रकरण पर सरकार से जवाब मांगा है। सरकार कुछ ऐसा जवाब दाखिल करें जिससे सभी का हित हो। हम आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी को न्याय मिल सके।

नोएडा को 'डायनामिक सिटी' बनाने के लिए टास्क फोर्स का गठन करेगी योगी सरकार

-सीएम योगी के विजन अनुसार, नोएडा क्षेत्र के कलेवर को बदलने पर है विशेष फोकस

लखनऊ, 10 सितंबर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत योगी सरकार ने नोएडा क्षेत्र के कलेवर को बदलने के लिए एक

विस्तृत रूपरेखा पर कार्य करना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी का विजन है कि नोएडा को डायनामिक सिटी के रूप में पहचान मिले और केवल औद्योगिक ही नहीं बल्कि एडवांस्ड अर्बन एमिनिटीज वाले आधुनिक शहर के तौर पर उसकी ब्रांडिंग और मजबूत हो सके।

इस क्रम में नोएडा में वाइब्रेंट कल्चरल स्पेस को चिन्हित कर उनके विकास प्रक्रिया को गति देने के लिए बाकायदा एक टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने इस क्रम में प्रक्रिया शुरू करते हुए नॉलेज पार्टनर के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससके पूरा होने से टास्क फोर्स के गठन प्रक्रिया को गति मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि टास्क फोर्स में प्राधिकरण व जिला स्तर के विभिन्न अधिकारी भी शामिल होंगे।

यह टास्क फोर्स विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर जारी कार्य की प्रोग्रेस रिपोर्ट, मॉनिटरिंग, डीटेल्स के संकलन से डाटाबेस निर्माण, निवेश के अवसर तलाशने, टूरिस्ट अट्रैक्शंस को डेवलप करने और क्षेत्र की रचनात्मकता बढ़ाने जैसे कार्यों को पूरा किया जाएगा।

एक जीवंत और आत्मनिर्भर शहर के रूप में पहचाना जाएगा नोएडा

नोएडा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो औद्योगिक विकास और वैश्विक व्यापार को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने कई लाभ के बावजूद, नोएडा को उभरते शहरों या 'नियोजित शहरों' से जुड़ी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में, इसकी चुनौतियों को दूर करकेसे एक जीवंत, आत्मनिर्भर और रहने योग्य शहरी समुदाय के तौर पर ब्रांडिंग की जाएगी जो जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि पर फोकस्ड

जेनरेशन बेस्ड पॉपुलेशन, मॉडर्न सिविक एमेनिटीज और आधुनिक सुख सुविधाओं युक्त शहर के तौर पर फोकस किया जाएगा। यहां पर टूरिस्ट अट्रैक्शंस डेवलप करने, सेल्फी प्वॉइंट डेवलप करने, इन स्थानों के चिन्हांकन, वहां जरूरी विकास व निर्माण कार्य को गति देने और उसकी ब्रांडिंग करने पर फोकस किया जाएगा।

इंटीग्रेटेड इंप्लिमेंटेशन विंग के तौर पर कार्य करेगा टास्क फोर्स राज्य सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि टास्क फोर्स इंटीग्रेटेड इंप्लिमेंटेशन विंग के तौर पर कार्य करेगी। इसके द्वारा नोएडा की ब्रांडिंग की एक कार्ययोजना बनाई जाएगी

जिसे एक्शन प्लान नाम दिया जाएगा। यह शहर को लेकर शेयर्ड विजन, यूनीक लोकल कैरेक्टर का आइडेंटिफिकेशन, नोएडा के प्राइड प्वॉइंट्स को पहचानने और उन्हें विभिन्न स्तरों पर प्रमोट करने जैसी गतिविधियों को पूरा करने पर बेस्ड होगी। इसे इंटीग्रेटेड स्ट्रैटेजी के तौर पर प्राधिकरण व जिला प्रशासन के साथ शेयर किया जाएगा। इसके बाद क्रियान्वयन की प्रक्रिया शुरू होगी। इस दौरान पब्लिक

एंगेजमेंट, कमर्शियल व इनवेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज और टूरिज्म प्रमोशन पर भी फोक किया जाएगा। माना जा रहा है कि सितंबर के तीसरे हफ्ते से इस परियोजना पर कार्य शुरू हो जाएगा।

पारदर्शी तरीके से भर्ती से गिरोह के सरगना को हो रही परेशानी : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 10 सितंबर (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यहां लोकभवन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से चयनित 647 वन रक्षकों वन्य जीवन रक्षकों एवं 41 अवर

अभियंताओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के पहले जिन लोगों ने युवाओं को छला था,वही आज दुष्प्रचार कर रहे हैं। आयोगों को लूट का अड्डा बना दिया था। बैकडोर से भर्तियां होती थीं। सरकारों के पास न नीति थी। न नियम...। इसीलिए आज गिरोह परेशान है। तो गिरोह के सरगना का परेशान होना लाजमी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज जलवायु परिवर्तन देश और दुनिया के लिए ज्वलंत मुद्दा है। आज मानवता के सामने संकट खड़ा हो गया है। असमय अतिवृष्टि, ओला,बाढ़, सूखा से नुकसान होता है। अति सर्वत्र वर्जयेत...। अति हर चीज का अच्छा नहीं होता।ये वन्यजीव रक्षक अगर अपनी जिम्मेदारी को समझेंगे तो इस संकट से निपटने में आसानी होगी।

उन्होंने कहा कि नियुक्ति पत्र मिलने में पहले कई वर्ष लग जाता थालेकिन आज भर्ती होने से नियुक्ति पत्र मिलने में 6 महीने से 1 वर्ष के अंदर मिल रहा है। आपको इस भर्ती प्रक्रिया में कोई सिफारिश कोई लेन देन नहीं करना पड़ा होगा। यही सरकार भी आपसे अपेक्षा करती है। शुचितापूर्ण भर्ती हुई है तो आप से ईमानदारी का कार्य भी होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए घातक हो गए हैं। आप कभी भी पहाड़ों, जंगलों में जाएंगे तो जंगल जलते मिलेंगे।जंगल जलेंगे तो इसके दुष्परिणाम भी

दिखाई देंगे। भूस्खलन होगा। आज से साढ़े 7 वर्ष पहले हमने वनाच्छादन को बढ़ाने का संकल्प लिया था।इसके लिए हम हर वर्ष वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाते हैं।इससे हमको कई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा भी मिली।

योगी ने कहा क पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के लिए आज इंजीनियर भी नियुक्ति पत्र पा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने गंगा को अविरल निर्मल बनाने के लिए नमामि गंगे अभियान भी चलाया।नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने के लिए आज आवश्यकता है। इससे हम प्रकृति और पर्यावरण दोनो को बचा पाएंगे।

वन्यजीव रक्षक की भी आज नियुक्ति हो रही है। अक्सर हमको वन्यजीव संघर्ष देखने, सुनने को मिल रहा है। इसमें एक भी जान हमारे लिए दुःखद है। अगर कहीं किसी वन्यजीव के कमांड एरिया में जलभराव होगा तो वह आबादी की तरफ भागेगा,तराई के क्षेत्र जंगल और खेती दोनो एक दूसरे से सटे होते हैं।

जंगल मे पानी भरेगा तो वन्यजीव आसपास गन्ने के खेत में आश्रय बनाएगा। इस स्थिति में कोई किसान खेत मे अकेले होगा तो वन्यजीव हिंसक होगा। जंगल खेत के बॉर्डर एरिया को इलेक्ट्रिक फेनसिंग की आवश्यकता होती है। हमको भी पहले जागरूक होना पड़ेगा।फिर ग्रामीणों को इससे बचाव भी बता सकते हैं। इस काम के लिए वन विभाग के पास पैसे भी दिए जाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्य में प्रशिक्षण की आवश्यकता है। कोई भी जानवर हिंसक नहीं होता। जब कोई एक दूसरे के एरिया में अतिक्रमण करेगा तो ऐसा होता है। हमको इसके लिए स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण देना होगा। जीवन चक्र मनुष्य के साथ वन्यजीव का भी साथ-साथ चलता है। मानव वन्यजीव संघर्ष से होने वाली जनहानि के लिए उत्तर प्रदेश ऐसा पहला राज्य है जिसको आपदा के अंतर्गत मान्य किया गयाऔर 5 लाख की राशि इसके लिए दी जाती है। अवैध खनन के लिए कार्रवाई करने के कारण ही आज वनाच्छादन बढ़ा है। वन्यजीव बढ़े हैं।

राहुल गांधी के बयान पर मायावती का पलटवार, कांग्रेस के नाटकबाजी से सचेत रहें लोग

लखनऊ, 10 सितंबर (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विदेश में दिए गये

बयान में मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना कराने वाली यह पार्टी अब इसकी आड़ में सत्ता में आने का सपना देख रही है। इनके इस नाटक से सचेत रहें जो आगे कभी भी जातीय जनगणना नहीं करा पाएगी।

मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर ताबाड़तोड़ पांच पोस्ट किए। इसमें उन्होंने राहुल गांधी के उस बयान पर हमलावर हुई हैं। जो उन्होंने विदेश में दिया है। उन्होंने विदेश में यह कहा है कि भारत जब बेहत्तर स्थिति में होगा तो हम एससी-एसटी और ओबीसी का आरक्षण खत्म कर देंगे। इस पर मायावती ने कहा कि केन्द्र में काफी लम्बे समय तक सत्ता में रहते हुए कांग्रेस पार्टी की सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लागू नहीं किया। और ना ही देश में जातीय जनगणना कराने वाली यह पार्टी अब इसकी आड़ में सत्ता में आने के सपने देख रही है। इनके इस नाटक से सचेत रहें जो आगे कभी भी जातीय जनगणना नहीं करा पाएगी।

कांग्रेस पार्टी के सर्वेसर्वा राहुल गांधी के इस नाटक से भी सर्तक रहें जिसमें उन्होंने विदेश में यह कहा है कि भारत जब बेहत्तर स्थिति में होगा तो हम एससी–एसटी और ओबीसी का आरक्षण खत्म कर देंगे। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस वर्षों से इनके आरक्षण को खत्म करने के षडयंत्र में लगी है। मायावती ने कहा कि इन वर्गों के लोग कांग्रेस नेता राहुल गाँधी के दिए गए इस घातक बयान से सावधान रहें, क्योंकि यह पार्टी केन्द्र की सत्ता में आते ही, अपने इस बयान की आड़ में इनका आरक्षण जरूर खत्म कर देगी। ये लोग संविधान व आरक्षण बचाने का नाटक करने वाली इस पार्टी से जरूर सजग रहें।

जबकि सच्चाई में कांग्रेस शुरू से ही आरक्षण-विरोधी सोच की रही है। केन्द्र में रही इनकी सरकार में जब इनका आरक्षण का कोटा पूरा नहीं किया गया तब इस पार्टी से इनको इन्साफ ना मिलने की वजह से ही बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर ने कानून मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। लोग सावधन रहें। कुल मिलाकर, जब तक देश में जातिवाद जड़ से खत्म नहीं हो जाता है तब तक भारत की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर होने के बावजूद भी इन वर्गों की सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक हालत बेहतर होने वाली नहीं है। अतः जातिवाद के समूल नष्ट होने तक आरक्षण की सही संवैधानिक व्यवस्था जारी रहना जरूरी।

बहराइच : तालाब में डूबने से चार बच्चियों की मौत, मुख्यमंत्री ने जताया दुख

लखनऊ, 10 सितंबर (हि.स.)। नवाबगंज थाना क्षेत्र के सतीजोर गांव के तालाब में कमल का फूल तोड़ने गई चार बालिकाओं की डूबकर मौत हो गई। घटना की जानकारी पाकर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से सभी शवों को तालाब से बाहर निकलवाया।

मृतक बच्चियों की पहचान सतीजोर गांव के कालीन खान की पुत्री महक (11) उसकी सहेली सामिया (10), साइबा (10) और 11 वर्षीय सरिकुल खातून के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि सबसे पहले महक फूल तोड़ने के लिए पानी में उतरी और डूबने लगी। उसे बचाने में अन्य सभी बच्चियां डूब गई और उनकी मौत गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद बहराइच में सोमवार को तालाब में डूबने से हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

उन्होंने दिवगंतों के परिजनों को अनुमन्य राहत चार लाख की राशि तत्काल वितरित किए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मृतक बच्चियों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

जनपद स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता में जीजी हिंदू इंटर कालेज अव्वल

मुरादाबाद, 10 सितम्बर (हि.स.)। माध्यमिक विद्यालयों की जनपद स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता का आयोजन जिला विद्यालय निरीक्षक/ जिला परियोजना अधिकारी मुरादाबाद के निदेर्शानुसार मंगलवार को जीजी हिंदू इंटर कॉलेज मुरादाबाद में किया गया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. कुलदीप बरनवाल ने प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर किया तथा अच्छे प्रदर्शन के लिए सभी को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में मेजबान विद्यालय जीजी हिंदू इंटर कॉलेज मुरादाबाद तथा एसएस इंटर कॉलेज मुरादाबाद की बैंड टीम ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने क्विक मार्च, स्लो मार्च तथा देशभक्ति गीतों की धुन पर शानदार प्रस्तुतियां दीं।

निर्णायक का दायित्व दिनेश चंद शर्मा, वीर सिंह तथा बंश बहादुर ने निभाया।

प्रतियोगिता में सुंदर व आकर्षक प्रस्तुति देते हुए जीजी हिंदू इंटर कॉलेज के छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि एसएस इंटर कॉलेज मुरादाबाद उपविजेता रहा।

इस अवसर पर अरविंद मोहन पांडे, विकास कांत गुप्ता, महेश सिंह ,वीरेंद्र सिंह आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यार्थियों संग अन्याय नहीं होना चाहिएः मायावती

लखनऊ, 10 सितंबर (हि.स.)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में नयी सूची तैयार करने के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को रोक लगा दी है। इसको लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को अपनी प्रतिक्रिया दी है।

मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यूपी शिक्षक भर्ती मामले में आरक्षित वर्ग के अभ्यार्थियों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्हें अपना संवैधानिक हक जरूर मिलना चाहिए। साथ ही, सरकार इस मामले में अपना ईमानदार रूख अपनाए, ताकि इनके साथ कोई भी ना इन्साफी ना हो।

उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय के आदेश के बाद नियुक्ति को लेकर अभ्यर्थी लगातार किसी न किसी मंत्री के आवास का घेराव कर रहे थे। उनकी यही मांग थी कि कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए शीघ्र अति शीघ्र नयी सूची तैयार कर उन्हें नियुक्ति दे दी जाए। साथ ही उन्हें यह भी अंदेशा था कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट में भी जा सकता है। इसलिए अभ्यर्थी नियुक्ति को लेकर आंदोलनरत थे।

योगी सरकार में टीकाकरण को मिली रफ्तार तो खत्म हुआ जापानी इंसेफलाइटिस का खौफ

लखनऊ, 10 सितंबर (हि.स.)। कभी पूर्वांचल में बच्चों के लिए काल बन चुका जापानी इंसेफलाइटिस (जेई) आज पूरी तरफ से खात्मे की कगार पर है। इसका क्रेडिट उस रणनीति को जाता है, जो 2017

में प्रदेश की सत्ता संभालने के बाद सीएम योगी ने लागू की। पूर्वांचल को जेई के प्रकोप से बचाने के लिए सीएम योगी ने फूल प्रूफ रणनीति पर काम किया। सीएम योगी के मार्गदर्शन में पूरे दृढ़ संकल्प के साथ जेई के खिलाफ रणनीति बनाई गई और इसे अंतरविभागीय समन्वय के साथ क्रियान्वित किया गया। स्वास्थ्य विभाग की हर गतिविधि की निगरानी की गई। विभाग को शत-प्रतिशत टीकाकरण के निर्देश दिए गए। दस्तक अभियान के जरिये लोगों को जेई टीकाकरण के प्रति जागरूक किया गया। यही नहीं, पिछले तीन वर्षों में पूर्वांचल समेत पूरे प्रदेश में शिशुओं को जेई-1 और जेई-2 के करीब 2 करोड़ टीके की डोज दी गयी। इसका नतीजा यह रहा कि आज पूर्वांचल जेई से मुक्त हो चुका है। पहले इस बीमारी के कारण परिवारों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता था, लेकिन आज लोगों में न ही बीमारी का कोई खौफ है और न ही इसके इलाज पर होने वाले खर्च का।

जेई टीकाकरण के प्रति जागरूक करने के लिए 1.70 आशा बहनों को किया गया प्रशिक्षित

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिव डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कमान संभालते ही संचारी रोग जापानी इंसेफलाइटिस (जेई) के खात्मे के लिए शत-प्रतिशत टीकाकरण के निर्देश दिये। साथ ही लोगों को जेई टीकाकरण के प्रति जागरूक करने के लिए आशा बहनों को प्रशिक्षित कर घर-घर (डोर टू डोर) कैंपेन के निर्देश दिये। सचिव ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर 1.70 लाख से अधिक आशा बहनों को प्रशिक्षण दिया गया। वहीं दस्तक अभियान के तहत एक वर्ष में तीन बार डोर टू डोर कैंपेन के जरिये जेई के कारण, उपाय, उपचार का महत्व एवं टीकाकरण के प्रति लोगों को जागरूक किया गया, ताकि लोग टीकाकरण के लिए आगे आएं। आशा बहनों ने करीब 4 करोड़ घरों में दस्तक अभियान के तहत व्यक्तिगत संवाद किया।

सीएम योगी के प्रयासों को नतीजा रहा कि जेई के टीकाकरण से पीछे हटने वाले लोग आगे आए। वर्ष 2023-24 में योगी सरकार ने जेई- 1 के लिए 34,64,174 टीकाकरण का लक्ष्य रखा, जिसके सापेक्ष 33,85,506 टीके लगाये गये। इसी तरह वर्ष 2022-21 में जेई-1 के लिए 34,59,417 टीकाकरण का लक्ष्य रखा, जिसके सापेक्ष 33,78,189 टीके लगाये गये, जबकि वर्ष 2021-22 में 34,43,938 टीकाकरण के लक्ष्य के सापेक्ष 28,40,827 टीके की डोज लगायी गयी। इस वर्ष कोरोना महमारी की वजह से टीकाकरण कुछ धीमा रहा।

मृत्यु दर में 99 प्रतिशत तक दर्ज की गयी गिरावट

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जीएम डॉ. मनोज शुक्ला ने बताया कि वर्ष 2023-24 में योगी सरकार ने जेई- 2 के लिए 32,63,507 टीकाकरण का लक्ष्य रखा, जिसके सापेक्ष 31,02,741 टीके लगाये गये। इसी तरह वर्ष 2022-21 में जेई-2 के लिए 32,59,026 टीकाकरण का लक्ष्य रखा, जिसके सापेक्ष 30,67,275 टीके लगाये गये जबकि वर्ष 2021-22 में 32,45,949 टीकाकरण के लक्ष्य के सापेक्ष 23,82,369 टीके की डोज लगायी गयी। इस वर्ष कोरोना महमारी की वजह से टीकाकरण कुछ धीमा रहा। उन्होंने बताया कि सीएम योगी के प्रयासों का ही नतीजा है कि वर्ष 2023 में दिमागी बुखार से होने वाली मृत्यु दर महज 1.23 प्रतिशत ही दर्ज की गयी है जबकि वर्ष 2017 में मृत्यु दर 13.87 प्रतिशत थी। विशेषज्ञों की मानें तो योगी सरकार ने दिमागी बुखार से होने वाली मृत्यु दर में रिकॉर्ड 99 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की है। इसी का असर है कि सात वर्षों में एईएस और जेई की मृत्यु दर में 12.64 प्रतिशत की गिरावट की दर्ज की गई है।

टीकाकरण के कारण जेई से मृत्यु पर लगी लगाम

गोरखपुर के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आशुतोष कुमार दुबे ने बताया कि जापानीज इंसेफेलाइटिस से बचाव के लिए नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत जेई टीकाकरण कराया जा रहा है। पिछले छह सात वर्षों में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के दौरान इस टीके को लगाने के लिए कई विशेष अभियान भी चलाए गए। इसका असर यह रहा कि जापानीज इंसेफेलाइटिस के मामले साल दर साल कम हुए। सबसे खास बात यह रही कि इस बीमारी से होने वाली मृत्यु शून्य तक पहुंच गई है। पिछले वर्ष इससे कोई मृत्यु नहीं हुई। इस वर्ष भी स्थिति नियंत्रण में है।

छूट गया है तो पंद्रह वर्ष तक लग सकता है टीका

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. नंदलाल कुशवाहा ने बताया कि जापानीज इंसेफेलाइटिस से बचाव का टीका बच्चों को दो बार लगाया जाता है। पहली बार टीकाकरण नौ से बारह माह की उम्र में होता है।

वहीं दूसरी बार टीकाकरण सोलह से चौबीस माह की उम्र में होता है। अगर किसी का शिशु इस टीके से वंचित रह गया है तो उसे पंद्रह वर्ष की उम्र से पहले कभी भी यह टीका लगाया जा सकता है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो : जालौन, ललितपुर और झांसी के 10 उद्यमी लेंगे हिस्सा

25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में आयोजित होगा ट्रेड शो,योगी सरकार यूपी के उद्यमियों को दिला रही ग्लोबल प्लेटफार्म

झांसी, 10 सितंबर (हि.स.)। योगी सरकार के प्रयास से आयोजित होने जा रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में बुन्देलखण्ड के उद्यमी भी हिस्सा लेकर अपने उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में झांसी मंडल के तीनों जिलों झांसी, ललितपुर और जालौन के 10 उद्यमी अपने उत्पादों के साथ हिस्सेदारी करेंगे। इन उद्यमियों को ट्रेड शो में रियायती दरों पर स्टॉल प्रदान किये जायेंगे।

ट्रेड शो में हिस्सा लेने के लिए जालौन के एक, ललितपुर के 2 और झांसी के 7 उद्यमियों ने अभी तक प्रस्ताव दिया है। जालौन जिले से आकाश निरंजन, ललितपुर जिले से सरोज सिंह, जनमे पंत और झांसी जिले से नीलम सारंगी, शिवानी बुंदेला, निहारिका तलवार, योगेंद्र आर्य, मनोहर लाल, अरुणा शर्मा और निखिल चौधरी ट्रेड शो में हिस्सा लेंगे। ट्रेड शो में ये उद्यमी एक जिला-एक उत्पाद से जुड़े उत्पादों के अलावा हैंडलूम, फार्मा, एक्सपोर्ट, हॉर्टिकल्चर और गृहसज्जा से जुड़े उत्पादों की प्रदर्शनी लगाएंगे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का इस बार दूसरा संस्करण आयोजित होने जा रहा है, जिसे लेकर उद्यमी काफी उत्साहित हैं। ट्रेड शो में खरीदार और विक्रेता दोनों एक ही प्लेटफार्म पर मिलते हैं और उत्पादों को ग्लोबल प्लेटफार्म मिलता है। सरकार उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों के उद्यमियों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बिक्री के लिए प्रोत्साहित करती है।

भेलूपुर आंध्रा आश्रम में दो सगे भाइयों ने लगाई फांसी,पुलिस छानबीन में जुटी

वाराणसी,10 सितम्बर (हि.स.)। भेलूपुर थाना क्षेत्र के मानसरोवर स्थित राम तारक आंध्रा आश्रम में दो सगे भाइयों ने फांसी लगाकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। मंगलवार को घटना की जानकारी पाते ही भेलूपुर पुलिस फॉरेन्सिक टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंच गई। पुलिस टीम ने छानबीन और पूछताछ के बाद शव को मोर्चरी में भिजवा दिया।

आश्रम प्रबंधन के अनुसार आंध्र प्रदेश के नारायण पुरम जिला वेस्ट गोदावरी निवासी पी लक्ष्मी नारायणम(34) और वी लोक विनोद (32) बीते 28 अगस्त को आश्रम में आए थे। दोनों ने दस दिन के लिए आश्रम का कमरा बुक किया था। दूसरे तल पर उन्हें कमरा दिया गया। दोनों आश्रम में समय से भोजन-नाश्ता करते थे। इसके बाद दर्शन-पूजन के लिए जाते थे। दोनों न बताया था कि काशी विश्वनाथ मंदिर सहित अन्य मंदिरों में दर्शन-पूजन कर चुके हैं। 08 सितम्बर को दोनों अन्तिम बार दिखे। दोनों बाहर से घूम-फिर कर आए और अपने कमरे में चले गए। दो दिन से उनका कमरा नहीं खुलने पर सफाई कर्मी कमरे के पास पहुंचा तो तेज बदबू आने पर उसने ट्रस्टी मैनेजर वीवी सुंदर शास्त्री को इसकी जानकारी दी। मैनेजर ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाते ही मौके पर एसीपी भेलूपुर धनंजय मिश्रा, थाना प्रभारी भेलूपुर वहां पहुंचे। आश्रम के मैनेजर की मौजूदगी में कमरे का दरवाजा तोड़ा गया। दोनों को फांसी के फंदे में झूलता देख शवों को नीचे उतारा गया।

संभावना है कि लक्ष्मी नारायण ने पहले फांसी लगाई थी। उसका हाथ पैर बंधा था। छोटे भाई ने बड़े भाई की मृत्यु होने के बाद फांसी लगाई। दोनों ने मोक्ष पाने के लिए फांसी लगा ली।

हालांकि कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस ने घटना की जानकारी मृतकों के परिजनों को दे दी। पिता मल्ला तिरुपति राव से सम्पर्क भी किया जा रहा है। पुलिस अफसरों के अनुसार दोनों का शव लगभग दो दिन पुराना लग रहा है। इसी के चलते शव से बदबू आने लगी। परिजनों के आने पर ही आत्महत्या की वजह पता चल पाएगी।

गौरतलब है कि इस आश्रम में पहले भी दक्षिण भारतीय परिवार आत्महत्या कर चुके हैं। इसमें एक ही परिवार के 4 लोगों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

भक्त प्रहलाद के चरित्र को सुनने के लिए श्रोताओं का उमड़ा जन सैलाब

औरैया, 10 सितंबर (हि.स.)। फफूंद नगर के कटरेश्वर महादेव मंदिर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा में मंगलवार को आचार्य सतीश महाराज ने भक्त प्रहलाद चरित्र का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि प्रहलाद चरित्र पुत्र एवं पिता के संबंध को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि यदि भक्त सच्चा हो तो विपरीत परिस्थितियां भी उसे भगवान की भक्ति से विमुख नहीं कर सकती।

राक्षस प्रवृत्ति के हिरण्यकश्यप जैसे पिता को प्राप्त करने के बावजूद भी प्रहलाद ने ईश्वर भक्ति नहीं छोड़ी। सच्चे अर्थों में कहा जाए तो प्रहलाद ने पुत्र होने का दायित्व भी निभाया। उन्होंने कहा कि पुत्र का यह सर्वोपरि दायित्व है कि यदि उसका पिता दुष्ट प्रवृत्ति का हो तो उसे भी सुमार्ग पर लाने के लिए सदैव प्रयास करने चाहिए। प्रहलाद ने बिना भय के हिरण्यकश्यप के यहां रहते हुए ईश्वर की सत्ता को स्वीकार किया और पिता को भी उसकी ओर आने के लिए प्रेरित किया। लेकिन राक्षस प्रवृत्ति के होने के चलते हिरण्यकश्यप ने प्रहलाद की बात को नहीं माना। ऐसे में भगवान नरसिंह द्वारा उसका संहार किया गया। उसके बाद भी प्रहलाद ने अपने पुत्र धर्म का निर्वहन किया और अपने पिता की सद्गति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

वाराणसी: गंगा में उतर रहा बाढ़ का पानी, नमो घाट से राजघाट तक चला स्वच्छता अभियान

वाराणसी,10 सितम्बर (हि.स.)। गंगा नदी में अब बाढ़ का पानी उतरने लगा है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद घाटों पर जमी सिल्ट गाद और मिट्टी को हटाने के लिए नगर निगम की टीम के साथ अन्य संगठन भी जुट गए हैं। मंगलवार को नमोघाट पर नमामि गंगे के सदस्यों ने 'सबका साथ हो गंगा साफ हो' का नारा बुलन्द कर घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया। स्वच्छ नदियां-बेहतर कल का सन्देश देकर सदस्यों ने लोगों से गंगातट पर किसी प्रकार की गंदगी न करने की अपील की । 'कचरा मुक्त गंगा घाट' का आह्वान कर गंगा किनारे सफाई की गई। बाढ़ के बाद गंगा तट पर फैले कचरे को सदस्यों ने बंटोर कर कूड़ेदान तक पहुंचाया । गंगा के सतही जल पर बिखरे निर्माल्य को समेटा गया ।

घाटों पर श्रमदान के बाद वहां उपस्थित पर्यटकों और स्नानार्थियों को गंगा और घाटों को स्वच्छ रखने की शपथ भी दिलाई गई। संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि सबका साथ हो, गंगा साफ हो के संकल्प के साथ आम जनमानस के सहयोग से ही गंगा स्वच्छता का मार्ग प्रशस्त होगा। गंगा स्वच्छता अभियान से सबको जोड़ना है । राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नई दिल्ली के प्रतिनिधि अथर्वराज पाण्डेय ने कहा कि गंगा स्वच्छता के लिए जन सहभागिता बहुत जरूरी है।

शराब के नशे में व्यापारी ने पुलिस की गाड़ी में मारी टक्कर, पांच घायल

मेरठ, 10 सितम्बर (हि.स.)। मवाना थाना क्षेत्र में सोमवार को देर रात शराब के नशे में व्यापारी ने कार से पुलिस की कार में टक्कर मार दी। जिससे इंस्पेक्टर क्राइम समेत पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। आरोपित को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

मवाना थाने के इंस्पेक्टर सुभाष सिंह के अनुसार, सोमवार की देर रात इंस्पेक्टर क्राइम रामवीर सिंह, दरोगा आलोक कुमार, अमित मलिक, अरविंद और विजयपाल अपनी कार से गश्त कर रहे थे। जब वे मेरठ रोड पर कस्बा पुलिस चौकी के पास पहुंचे तो एक तेज रफ्तार कार ने उनकी गाड़ी में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे इंस्पेक्टर और चार दरोगा घायल हो गए। चारों घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसी बीच टक्कर मारकर भागते हुए कार चालक मनीष गुप्ता निवासी मोहल्ला कल्याण सिंह मवाना को दबोच लिया गया। आरोपित भट्ठा कारोबारी है तथा शराब के नशे में लग रहा था। एसपी देहात और सीओ मवाना सौरभ सिंह भी मौके पर पहुंच गए। घायल दरोगा आलोक कुमार आरोपित मनीष गुप्ता के दुष्कर्म के मुकदमे की भी जांच कर रहे हैं। पुलिस यह मानकर चल रही है कि मनीष ने जानबूझ कर कार में टक्कर मारी है। आरोपित का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। आरोपित के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर रही है।

मिजार्मुराद में जंगली जानवर ने युवक व मवेशी पर किया हमला, दहशत

–ग्रामीणों ने बताया धान के खेत में भेड़िया दिखा, ग्रामीणों ने एकजुट होकर तलाशा

वाराणसी, 10 सितम्बर (हि.स.)। बहराइच में भेड़िये के आतंक के बाद अब वाराणसी के ग्रामीण अंचल मिजार्मुराद में इसकी दहशत लोगों में है। मिजार्मुराद के बंशीपुर गांव में सोमवार की रात एक जंगली जानवर के हमले से एक युवक जख्मी हो गया। भेड़िये के आकार के पशु को देख लोग दहशत में हैं। सूचना पर पुलिस कर्मियों ने ग्रामीणों के साथ भेड़िये को तलाशा लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला।

बंशीपुर (राजपुर) गांव में कैलाश यादव के घर के बाहर बंधी भैंस पर भेड़िये नुमा जानवर ने अचानक हमला कर दिया। भैंस की आवाज सुनकर पशुपालक नितेश यादव (22) लाठी लेकर दौड़ा तो भेड़िया ने पशुपालक पर हमला बोल दिया। चीख-पुकार सुन कर घर की महिलाएं भी आ गईं। भेड़िया ने उनको भी दौड़ा लिया। महिलाएं गिरते पड़ते घर में भागीं। इस दौरान जंगली जानवर ने दरवाजे पर बंधी दो भैंस व एक पड़िया पर हमला किया। यह देख परिवार की महिलाओं ने शोर मचाते हुए लाठी-डंडा लेकर भेड़िये को दौड़ाया।

तब तक पड़ोसी भी लाठी डंडा लेकर दौड़े। यह देख जानवर खेत की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने तत्काल 112 नंबर पर फोनकर पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ग्रामीणों के साथ मिलकर भेड़ियों को तलाशती रही। ग्रामीणों ने बताया कि घटनास्थल से 100 मीटर की दूरी पर एक धान के खेत में भेड़िये दिखाई दिए थे। भेडियों की दहशत बच्चों और महिलाओं में व्याप्त देख घर के लोग रात में खुद लाठी डंडे से लैस पहरा दे रहे हैं।

त्योहारों के मद्देनजर हरिद्वार-भागलपुर के बीच दो स्पेशल ट्रेनें

मुरादाबाद, 10 सितम्बर (हि.स.)। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि त्योहारों के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा हेतु दशहरा, दिवाली व छठ पूजा के मौके पर हरिद्वार-भागलपुर के बीच दो स्पेशल ट्रेनों का संचालन होगा।

यह ट्रेनें 7 अक्टूबर से 26 नवंबर के बीच चलेंगी और 9-9 फेरे लगाएंगी।

सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने आगे बताया कि रेलगाड़ी संख्या 03424 हरिद्वार-भागलपुर स्पेशल एक्सप्रेस प्रत्येक मंगलवार शाम 7:55 बजे हरिद्वार से रवाना होगी और रात 10:45 बजे मुरादाबाद होते हुए बुधवार रात 9:20 बजे भागलपुर पहुंचेगी।

रास्ते में बरेली, लखनऊ, अयोध्या, जौनपुर, वाराणसी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, किऊल, अभयपुर, जमालपुर, सुल्तानगंज स्टेशनों पर ठहरेगी।

सीनियर डीसीएम ने कहा कि वापसी में ट्रेन संख्या 03423 भागलपुर-हरिद्वार स्पेशल एक्सप्रेस भागलपुर से हर सोमवार को दोपहर 1:55 बजे चलेगी और मंगलवार को दोपहर 2:10 बजे मुरादाबाद पहुंचेगी और उसी दिन शाम 5 बजे हरिद्वार पहुंचेंगी।

लाक्षागृह के छह करोड़ की विकास योजना रसातल में

प्रयागराज, 10 सितम्बर (हि.स.)। महाकुम्भ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के पवित्र संगम में एक डुबकी लगाकर मोक्ष पाने वालों की सुविधा व ज्ञान के लिए मुख्यमंत्री योगी पिछले कई वर्षो से तरह-तरह की योजनाए बनाने व उसके लिए धन साधन जुटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनके कड़े अनुशासन व बड़े प्रयास के बाद भी बड़ी कुर्सी पर बैठे कुछ अधिकारी अपने मनमानी पूर्ण निर्णय को शासन का आदेश बताकर अमल में ला रहे हैं।

धर्मक्षेत्र लाक्षागृह पर्यटन स्थल विकास समिति के संस्थापक व राष्ट्रीय महामंत्री ओंकार नाथ त्रिपाठी प्रयागराज में पर्यटन विभाग की लीपापोती पर क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह से उनके कार्यालय में मिले और मुख्यमंत्री योगी द्वारा महाभारत सर्किट में पाण्डव कालीन राजभवन लाक्षागृह को भी इसमें शामिल किए जाने व कई विकास निर्माण योजनाओं की प्रगति के बारे में पूछा, तो उन्होने लाक्षागृह की कोई विकास योजना उनके पास न होने की बात कही।

ओंकारनाथ त्रिपाठी ने बताया कि लाक्षागृह की थीम व वस्तुस्थिति के आधार पर विद्वानों द्वारा तैयार करायी गई 6 करोड़ रुपए की विकास निर्माण योजना पूर्व पर्यटन मंत्री नीलकंठ तिवारी ने पर्यटन विभाग को दिया था। जिस पर योजना उपयोगी होने की बात कहकर मंत्री ने पूरा प्रोजेक्ट बनाकर शासन को भेजने को कहा था। किन्तु अब वो कहती हैं कि ऐसी कोई फाइल मेरे पास नही है।

ओंकारनाथ त्रिपाठी बताते हैं कि किलाकोट के किनारे-किनारे बाउन्ड्रीवॉल बनवाने के लिए एमएलसी डॉ केपी श्रीवास्तव से संस्तुति करवाकर दिया था।

माँ गंगा की बाढ़ व धारा से बहने व टूटने से बचाने के लिए रिटेनिंग वाल सहित किलाकोट के किनारे-किनारे महाराज विदुर द्वारा खुदवाई गई खाई को बच्चों की तैराकी नहर के रूप में बदलने के लिए, किला कोट पर महाभारत शोधशाला, महाभारत के लाक्षागृह से जुड़े कथानक व पात्रों में माता कुन्ती, निषाद माता गंगा, जमुना व माँ सरस्वती के संयुक्त आकृति वाली मूर्ति, आधुनिक संसाधनों युक्त भीम अखाड़ा, नक्षत्र वाटिका व पूर्व में निर्मित मंदिरों व परिक्रमा मार्गो का जीणोर्धार आदि के निर्माण सम्बन्धित प्रस्ताव भेजा था।

इस बारे में उन्होने कोई प्रस्ताव व अधिकार व प्रार्थना पत्र अपने पास होने से इन्कार कर दिया। इस तरह पूरी छह करोड़ की विकास निर्माण योजना रसातल में चली गई।

ओंकारनाथ त्रिपाठी ने बताया कि 2011 से श्री मज्ज्योतिष्पीठाधीस्वर जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती महाराज की प्रेरणा से पंचमवेद महाभारत का विस्तृत अध्ययन व भौतिक सत्यापन करके किलाकोट लाक्षागृह को पुनजार्गृत करने के लिए 24 सूत्रीय निर्माण कार्य का प्रस्ताव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन के माध्यम से दिया।

अब विभिन्न माध्यमों से प्राप्त सरकारी कोष से लगभग चार करोड़ रुपए का निर्माण कार्य लाक्षगृह किला कोट पर हो चुका है।

सवा दो करोड़ से भव्य शिव भवन एवं सत्संग भवन ओपेन थियेटर (मुक्तांगन) के लिए विधायक हाकिम चंद की संस्तुति पर 50 लाख का प्रस्ताव सरकार को भेजा जो बनकर तैयार हो गया।

डीएम के निर्देश पर पर्यटन विभाग की नियमावली के अनुसार सत्संग भवन आदि निर्माण कार्यों की देखरेख व सुरक्षा का दायित्व शंकराचार्य की अध्यक्षता वाली धर्मक्षेत्र लाक्षागृह पर्यटन स्थल विकास समिति को लिखित में दिया गया। ओपेन थियेटर की चाभी भी पर्यटन समिति को दिया गया, किन्तु उसका लिखित पत्र चोरी-चोरी अपराजिता सिंह ने ग्राम प्रधान पति को दे दिया। इस तरह और भी अनियमितता उन्होंने किया है।

पर्यटन समिति व संतों व ग्रामीणों के प्रयास से विकसित व निर्मित हो रही किला कोटि योजना की काट छाट किए जाने पर समिति के महामंत्री ने कहा कि आंधर बाध बरे जाय, पड़वा चबाए जाय। जो भी विकास कार्य योजना समिति जाती है अपराजिता मनमाने ढंग से छिन्न-भिन्न करके अवैध कब्जा करा देती हैं।

मुरादाबाद में लगातार तीसरे दिन भी हुई बारिश, उमस और गर्मी से मिली राहत

– मुरादाबाद का अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

मुरादाबाद, 10 सितम्बर (हि.स.)। मुरादाबाद में मंगलवार को दिनभर की उमस भरी गर्मी के बीच अपराह्न चार बजे झमाझम मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। इससे उमस और गर्मी से काफी हद तक राहत मिली। वहीं जिले में रविवार व सोमवार को भी दोपहर व शाम में दो-तीन घंटे की बारिश से मौसम सुहावना हो गया था।

मंगलवार को मुरादाबाद का अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहा। झमाझम बारिश से महानगर की कॉलोनी और मोहल्ले में पानी भर गया। इससे लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतें हो रही हैं।

मंगलवार को मुरादाबाद में सुबह से तेज धूप छाई रही। उमस भरी गर्मी पड़ी लेकिन अचानक 4 बजे देखते ही देखते अंधेरा छा गया।

बिजली की तेज गड़गड़ाहट के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। इस बारिश से मौसम सुहावना हो गया और उमस और गर्मी से सभी को राहत मिली।

राजकीय इंटर कॉलेज में मौसम प्रयोगशाला प्रभारी निसार अहमद ने बताया कि बुधवार और गुरुवार को भी मुरादाबाद में बादल छाए रहेंगे।

बारिश होने की संभावना बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि इस बारिश से मुरादाबाद का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस पर रुक गया। वहीं आज का न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहा।

कमिश्नर ने कलेक्ट्रेट परिषद में ई-ऑफिस का किया उद्घाटन

जालौन, 10 सितंबर (हि.स.)। मंडलायुक्त विमल दुबे ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में ई-आफिस कक्ष का उच्चीकरण किया गया जिसका फीता काटकर शुभारम्भ किया।

मंडलायुक्त ने कहा कि जनपद जालौन में ई-ऑफिस शुरूआत की है। 'डिजिटल इंडिया' अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी के अंतर्गत आज ई-आफिस कक्ष का उच्चीकरण किया गया । ई-ऑफिस प्रणाली के तहत कार्य किये जा रहे हैं।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि ई-ऑफिस कारण उनके गायब होने अथवा किसी अन्य प्रकार की त्रुटि होने की आशंका समाप्त हो जायेगी। सारे कागजात क्लाउड पर सुरक्षित रहते हैं।

अधिकारी तथा कर्मचारी ई-फाइल पर डिजिटल रूप में हस्ताक्षर करते है। ईझऑफिस

प्रणाली (पेपर लेस ऑफिस) की उ.प्र.शासन का एक मिशन मोड प्रोजेक्ट है जो एन.आई.सी. के सॉफ्टवेयर पर कार्य करता है। इस प्रणाली में पारंपरिक फाइलिंग प्रणाली की तुलना में अतिरिक्त लाभ हैं। ई-ऑफिस को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य कार्यालयों को पेपरलेस बनाते हुए शासकीय कार्यों को गति प्रदान करना है।

उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस में किसी भी समय पत्रों एवं फाइलों पर कार्य किया जा सकता है। साथ ही ईझऑफिस प्रणाली पेपरलेस होने के कारण पर्यावरणनुकूल भी है और सभी प्रपत्रों के ऑनलाइन होने के प्रणाली में अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही को पारदर्शी तरीके से तय किया जा सकेगा। ई-ऑफिस में अगर कोई फाइल आती है तो उसका नोटिफिकेशन सम्बंधित को मिल जाता है। तय समय के अंतर्गत उस फाइल का निस्तारण गुणवत्ता पूर्वक किया जाता है।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, नगर मजिस्ट्रेट अजीत कुमार जायसवाल, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अतुल कुमार, वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद सिंह आदि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में 42वें दीक्षान्त समारोह की तैयारी, कुलपति ने की समीक्षा

संस्कृत विश्वविद्यालय में 42वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां चल रही हैं। 26 सितम्बर को होने वाले दीक्षांत समारोह को लेकर 19 समितियों का गठन विश्वविद्यालय समितियां आपसी सामंजस्य स्थापित कर समारोह को सफलतापूर्वक संपादित कराएं। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग में मेरे स्तर से 24 घंटे सहयोग दिया जाएगा।

प्रशासन ने किया है। मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने योग साधना केन्द्र में दीक्षांत समारोह के तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय का महापर्व है। ऐसे में सभी गठित किसी भी तरह की समस्या होने पर त्वरित सहयोग मिलेगा।

कुलपति प्रो. शर्मा ने बताया कि परीक्षा परिणाम शीघ्र समय पर घोषित होंगे।

ताकि दीक्षान्त में किसी भी तरह की समस्या उत्पन्न न हो। शीघ्र ही मुख्य अतिथि की भी घोषणा की जाएगी। इससे निमंत्रण पत्र प्रकाशन आदि व्यवस्थाएं समय पर हो जाएंगी। समीक्षा बैठक में कुलसचिव राकेश कुमार, प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी, प्रो. हरिशंकर पाण्डेय, प्रो. जितेन्द्र कुमार, प्रो. सुधाकर मिश्र, प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी, प्रो. अमित कुमार शुक्ल, प्रो. शैलेश कुमार मिश्र, प्रो. राजनाथ, प्रो. हीरक कांत चक्रवर्ती, प्रो. रमेश प्रसाद, प्रो. महेंद्र पाण्डेय, प्रो. शंभू नाथ शुक्ल आदि की मौजूदगी रही।

भाकियू अटल ने राकेश टिकैत के खिलाफ खोला मोर्चा, रासुका लगाने की मांग

मेरठ, 10 सितम्बर (हि.स.)। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के खिलाफ भारतीय किसान यूनियन अटल ने मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को भाकियू कार्यकताओं के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने एसएसपी डॉ. विपिन ताड़ा को शिकायती पत्र देकर भाकियू नेता राकेश टिकैत पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज करने की मांग की। अमित 25 लाख ट्रैक्टर लाल किले की बजाय पार्लियामेंट पर जाते तो देश के हालात बांग्लादेश जैसे हो जाते।

अमित चौधरी ने आरोप लगाते हुए कहा कि राकेश टिकैत बांग्लादेश की तरह मेरठ

अटल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित चौधरी ने एसएसपी को शिकायती पत्र देते हुए राकेश टिकैत पर भड़काऊ भाषण देकर देश में अशांति फैलाने का आरोप लगाया और रासुका लगाने की मांग की।

भारतीय किसान यूनियन अटल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित चौधरी मंगलवार को चौधरी ने कहा कि राकेश टिकैत का मानसिक संतुलन खराब हो गया है और वह देश विरोधी ताकतों के साथ हैं। 20 अगस्त को मेरठ में पीवीवीएनएल के प्रबंध निदेशक कार्यालय पर आकर राकेश टिकैत ने विवादित बयान दिया था। उस समय राकेश टिकैत ने कहा था कि में ऐसा ही माहौल बनाना चाहते हैं। उन्होंने एसएसपी से राकेश टिकैत के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की मांग की और उन पर रासुका के तहत कार्रवाई करने का भी अनुरोध किया। एसएसपी ने इस मामले की जांच कराकर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

सुसाइड के भाव किसी भी उम्र में आ सकते हैं : मोअज्जम

–ईश्वर शरण में सुसाइड पर व्याख्यान

प्रयागराज, 10 सितम्बर (हि.स.)। सुसाइड के भाव किसी भी समय, किसी भी वर्ग, किसी भी उम्र में आ सकते हैं। मेंटल केस बहुत बड़ी समस्या नहीं होती। ये सामान्य जीवन का हिस्सा है। बस इसका सही समय पर उपचार होना चाहिए।

उक्त विचार मुख्य वक्ता इलाहाबाद रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन विभाग से आए मुख्य वक्ता मोअज्जम अहमद ने मंगलवार को ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग में विश्व आत्महत्या रोधी दिवस के अवसर पर विषय ह्यह्यचेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड : स्टार्ट द कन्वरसेशनह्लह्ल में व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि सबसे पहले आपको अपनी खुद की सहायता करनी चाहिए। एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। दूसरे के संवेगों को समझना चाहिए। इस तरह की सामाजिक जिम्मेदारी अगर आपमें है तो दिमागी समस्याएं बहुत कम देखने को मिलेंगी। उन्होंने आत्महत्या के संदर्भ में कहा कि अक्सर लोग आत्महत्या निराशा के चलते करते हैं। जिसके लिए अवसाद द्विध्रुवीय विकार, शराब की लत या मादक दवाओं का सेवन जैसे मानसिक विकारों को जिम्मेदार ठहराया जाता रहा है। तनाव के कारक जैसे वित्तीय कठिनाइयाँ या पारस्परिक सम्बन्धों में परेशानियों की भी अक्सर एक भूमिका होती है।

प्रॉक्टर प्रो. मान सिंह ने कहा कि इस संसार में अनेक लोग सुसाइड करते हैं। सबके अलग-अलग कारण होते हैं। जिसमें सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, राजनैतिक और शैक्षणिक समस्याएं हैं। गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी ये समस्त समस्याएं दिमागी कारण बनती हैं, जिससे लोग आत्महत्या करते हैं।

विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ. अंजना श्रीवास्तव ने कहा कि जीवन का मूल उद्देश्य तनाव मुक्त होना चाहिए। हम सबसे पहले अपने बारे में सोचें फिर दूसरे के। हम जितना प्यार खुद से करते हैं, उतना ही प्यार पड़ोस से भी करें।

कार्यक्रम में वक्तव्य का सारांश अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. विजय तिवारी एवं आभार ज्ञापन डॉ. विवेकानन्द त्रिपाठी ने तथा संचालन शोधार्थी रामवृक्ष यादव ने किया। इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षक, छात्र-छात्राएं, कर्मचारी एवं समस्त शोधार्थी उपस्थित रहे।

30 हजार का इनामी अर्जुन सिंह गिरफ्तार, गया जेल

मुरादाबाद, 10 सितम्बर (हि.स.)। थाना मझोला पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे 30 हजार के इनामी अर्जुन सिंह को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। शाम को पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

सिविल लाइन सर्किल के क्षेत्राधिकारी अर्पित कपूर ने बताया कि 21 जून को भगतपुर के टाह मदन गांव निवासी गैंग लीडर अर्जुन सिंह, गैंग के सदस्य अगवानपुर के ताहरपुर निवासी मोईन खान उर्फ रोसी, बैंक कॉलोनी खुशहालपुर मझोला निवासी के रेती कण ठाकुर, अगवानपुर के मोहल्ला निवासी मोहम्मद आसिफ और जुवैद मिर्जा को आरोपित बनाया गया था। तब से आरोपित अर्जुन सिंह फरार चल रहा था। आज थाना मझोला पुलिस ने अर्जुन सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

अवकाश मांगने पहुंचे पुलिसकर्मी को पुलिस अधीक्षक ने किया निलंबित

छुट्टी न मिलने पर पत्नी ने दी थी आत्महत्या की धमकी

बिजनौर,10 सितम्बर (हि.स.)` बिजनौर जनपद के नांगलसोती में ड्यूटी छोड़कर पत्नी के लिए छुट्टी की मांग करने नांगल थाने पहुंचे पुलिसकर्मी आशीष को जांच के बाद निलंबित कर दिया है।

छुट्टी नहीं देने पर पत्नी द्वारा आत्महत्या किए जाने की धमकी भी दी गई थी। सीओ नजीबाबाद की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के आधार पर एसपी ने यह कार्रवाई की।

रिजर्व पुलिस लाइन में नियुक्त आरक्षी आशीष रुहिल की तीन सितंबर को नजीबाबाद के पीएनबी पर ड्यूटी लगाई गई थी। आरक्षी ड्यूटी छोड़कर नांगल थाने में तैनात अपनी पत्नी के लिए छुट्टी की मांग लेकर पहुंचा था।

आरोप है कि उसने नांगल थाना प्रभारी की कार को थाने के मुख्य गेट पर रोककर पत्नी को छुट्टी देने की मांग की। आरक्षी आशीष ने छुट्टी नहीं देने पर अपनी पत्नी द्वारा आत्महत्या किए जाने की धमकी भी दी थी।

सीओ देश दीपक सिंह ने मामले की जांच की। अनुशासनहीनता बरतने, थाने का माहौल खराब करने, ड्यूटी छोड़कर नांगल थाने जाने, गार्ड रजिस्टर में गार्ड कमांडर को गलत सूचना देने के संबंध में सीओ नजीबाबाद की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के आधार पर एसपी ने आरक्षी आशीष रुहिल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

गरीबी से निकाल कर सफलता की ओर ले जाती है शिक्षा: दीपक मीणा

मेरठ, 10 सितम्बर (हि.स.)। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा कि शिक्षा हमें गरीबी से निकाल कर सफलता की ओर ले जाती है। कठिन परिश्रम से ही आप अपने मुकाम पर पहुंच सकते है। बुद्धिमान होना या न होना ये सब ईश्वर का आशीर्वाद है।

डीएवी इंटर कालिज कंकरखेड़ा में मंगलवार को स्वतंत्रता सेनानी महाशय हरस्वरूप लाल की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी दीपक मीणा, प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष सुभाष चन्द्रा, प्रबन्धक जितेन्द्र गुप्ता, स्कूल प्रधानाचार्य सुशील शर्मा द्वारा किया गया। विद्यालय प्रबंध समिति ने जिलाधिकारी का स्वागत किया। प्रधानाचार्य सुशील शर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में 20 साल कार्य करने पर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि दीपक मीणा ने कहा कि डीएवी स्कूल का अनुशासन बहुत अच्छा है। कार्यक्रम का संचालन कर रही शिक्षिका नमृता शर्मा की उन्होंने प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि 15 साल की उम्र में ही महाशय हरस्वरूप लाल ने देश की आजादी के महत्व को समझा। वे अलग-अलग जेलों में रहे। आज मेरा सौभाग्य है कि मैं महाशय हरस्वरूप लाल की प्रतिमा का लोकार्पण करने के लिए स्कूल में आया हूं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जो आपको गरीबी से निकालकर कामयाबी को ओर ले जा सकती है। जहां आप अपने आपको देखना चाहते हैं। आज के समय में स्कूल, कॉलेज बहुत अच्छे हैं। कंप्यूटर के साथ-साथ नई नई तकनीकी के माध्यम से आप पढ़ाई कर सकते हैं। कार्यक्रम में परिमल चन्द्रा, रामकिशोर, योगेन्द्र सिंघल, नीरज मित्तल, शैलजा मोहन, रघुनंदन त्यागी, सुबोध कुमार, सतेन्द्र मोहन शर्मा, कृष्णगोपाल शर्मा, मंजू गुप्ता, अनुज सिंघल, आनंद मोहन, कृष्ण गोपाल पांडेय, मंजू, अमरजीत कौर, सरला चौधरी, पार्षद राजेश खन्ना आदि उपस्थित रहे।

एनआरएचएम घोटाले के आरोपित सौरभ जैन खिलाफ ईडी/सीबीआई कोर्ट में चलेगा मुकदमा

मुरादाबाद, 10 सितम्बर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के बहुचर्चित एनआरएचएम घोटाले में आरोपित मुरादाबाद के थाना सिविल लाइंस क्षेत्र निवासी दवा कारोबारी सौरभ जैन को सीबीआई ने 5 जनवरी 2012 को गिरफ्तार किया था। बाद में उसे हाईकोर्ट से जमानत मिल गई थी। एनआरएचएम घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने सोमवार को ईडी कोर्ट में फाइल पेश कर दी है। जिसके बाद जौनपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद, पूर्व मंत्री व एनआरएचएम घोटाले के आरोपित बाबू सिंह कुशवाहा और मुरादाबाद के दवा कारोबारी सौरभ जैन के खिलाफ ईडी/सीबीआई कोर्ट में मुकदमा चलेगा।

12 वर्ष पूर्व मुरादाबाद निवासी सौरभ के खिलाफ सीबीआई की ओर से केस दर्ज किया गया था। जिसमें आरोप लगाया था कि सौरभ ने अपने करीबियों के नाम से फर्म बनाकर एनआरएचएम घोटाला किया है। सीबीआई ने मुरादाबाद आकर जांच पड़ताल की थी। सौरभ जैन की मुरादाबाद के सिविल लाइंस क्षेत्र में कई संपत्तियां हैं। पूर्व मंत्री बाबू सिंह कुशवाहा और सौरभ जैन विशेष सीबीआई कोर्ट में करोड़ों रुपये के एनआरएचएम घोटाले से जुड़े कई केसों में आरोपित हैं। एनआरएचएम घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने सोमवार को ईडी कोर्ट फाइल पेश कर दी है। अदालत ने केस पर सुनवाई के लिए दोनों मामलों में 25 सितंबर की तिथि निर्धारित की है।

प्रतापगढ़ में आदमखोर भेड़िया के पहुंचने की आहट पर पुलिस प्रशासन सक्रिय

प्रतापगढ़, 10 सितम्बर (हि. स.)। प्रतापगढ में आदमखोर भेड़िया के पहुंचने की आहट मिलते ही हड़कम्प मच गया है। मंगलवार को भोर में नगर कोतवाली क्षेत्र के गोपालापुर में दरवाजे पर बंधी बकरियों पर आदमखोर भेड़ियों के हमले में एक बकरी की मौत होने की भी पुष्टि हुई है।

सीओ सिटी शिवकुमार वैश्य ने वीडियो संदेश जारी कर घटना की पुष्टि किया है। उन्होंने बताया कि गोपालापुर में हुई घटना की जानकारी डायल 108 पर मंगलवार सुबह पुलिस को मिली थी। इसके बाद पुलिस बल मौके पर पहुंचा तो वहां ग्रामीणों द्वारा दरवाजे पर बंधी बकरियों पर भेड़ियों के झुंड द्वारा हमला किये जाने की जानकारी दी गयी।

सीओ सिटी ने बताया कि पुलिस के साथ ही वन विभाग की टीम को सक्रिय कर दिया गया है। इस मामले में जो भी अपडेट होगा लोगों को उससे अवगत कराया जायेगा। प्रतापगढ़ करीब दो दशक पहले भेड़ियों के आतंक की चपेट में रह चुका है। यहां एक बार फिर आदमखोर भेड़िया के आहट की खबर के बाद लोगों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क हो गया है।

पुलिस ने गौवंश को मारने के दो आरोपितों को भेजा जेल

बिजनौर , 10 सितम्बर (हि.स.)। मंडावर पुलिस को चेकिंग के दौरान मुखविर द्वारा सूचना पर नरेश कुमार के खेत गांव राजारामपुर के जंगल में 25 किलो गोवंशीय मांस व पशु काटने के उपकरण बरामद हुआ था। आरोपित घटनास्थल से मौका पाकर फरार हो गए थे। इस संबंध में मंडावर पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया था। विवेचना कार्यवाही के दौरान असलम पुत्र अहसान, नसीम पुत्र रफीक अहमद, जावेद पुत्र अनीस, मकबूल उर्फ काले पुत्र रसीद, सलमान पुत्र उस्मान, फैयाज पुत्र अनीस अहमद, गांव राजारामपुर निवासी के नाम प्रकाश में आए थे। मंगलवार को पुलिस ने असलम पुत्र अहसान, नसीम पुत्र रफीक अहमद गांव राजारामपुर निवासी को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से गोवंश काटने के औजार एक लकड़ी का गुटखा व एक चापड़ लोहा व एक छूरी बरामद की है। पुलिस ने दोनों आरोपितों का उचित धाराओं में चालान कर दिया है। पुलिस के अनुसार अन्य फरार चल रहे आरोपितों की तलाश की जा रही है।

योगी सरकार में 11 सितम्बर को भव्य और दिव्य रूप से मनाया जाएगा बरसाना में श्रीराधाजी जन्मोत्सव

-जन्मोत्सव पर ब्रज की महारानी पर हेलीकॉप्टर से होगी पुष्प वर्षा

-राधा अष्टमी पर रोप-वे से दर्शन को मंदिर पहुंचेंगे श्रद्धालु

-सीसीटीवी कैमरों की जाएगी निगरानी, 52 स्थानों पर लगाए गए कैमरे

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बनाये गए होल्डिंग एरिया, स्टेटिक सेट और स्पीकर की व्यवस्था

मथुरा, 10 सितम्बर (हि.स.)। ब्रज की महारानी राधा रानी का जन्मोत्सव योगी सरकार में भव्य और दिव्य रूप में मनाया जाएगा। ब्रज में भगवान श्री कृष्ण के भव्य दिव्य जन्मोत्सव के बाद अब राधा रानी के जन्मोत्सव धूमधाम से मनाने की तैयारियां जोरों पर चल रही है। 11 सितम्बर को ब्रह्म मुहूर्त में राधा रानी का विशेष महाभिषेक किया जायेगा। शाम को राधा रानी को सोने से बनी पालकी में विराजमान कर मंदिर के पुजारी महल से नीचे बनी सफेद छतरी में विराजमान होकर श्रद्धालुओं को दर्शन देंगी। इस दौरान राधा रानी पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जायेगी। वहीं राधा अष्टमी पर श्रद्धालु रोप-वे से दर्शन को मंदिर पहुंचेंगे।

ब्रज में जिस भक्ति, श्रद्धा और उल्लास के साथ भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है, उसी तरह से उनकी आल्हादिनी शक्ति राधा रानी का जन्मोत्सव भव्य और दिव्य रूप में मनाते हैं। भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव के 15 दिन बाद शुक्ल पक्ष की अष्टमी को राधा रानी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। राधा रानी के जन्मोत्सव पर वैसे तो सम्पूर्ण ब्रज में अलग-अलग जगह आयोजन होते हैं। लेकिन सबसे ज्यादा धूम बरसाना, रावल और वृंदावन में मचती है। बरसाना में राधा रानी का दरबार है यहां मुख्य आयोजन किया जाता है। रावल में राधा रानी प्रकट हुई और वृंदावन में उन्होंने रास रचाया। यही वजह है कि तीनों जगह राधा रानी की विशेष आराधना की जाती है।

सेवायत दीपक गोस्वामी ने बताया कि 11 सितम्बर की रात्रि दो बजे मंदिर परिसर में मंगल बधाई गायन शुरू हो जाएगा। यहाँ ब्रह्म मुहूर्त में पहले मूल शांति की पूजा होगी। उसके बाद 27 कुओं का जल, ब्रज के 27 स्थानों की रज, 27 तरह के वृक्षों के पत्ते और 108 तरह की जड़ी बूटियों के मिश्रित जल से महाभिषेक किया जाएगा। इसके बाद 11 कुंतल पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद और शक्कर) से महाभिषेक होगा। यह महाभिषेक 11 घड़ों से किया जाएगा जिसमें से एक में 27 छेद होंगे। बुधवार सुबह 4:30 बजे मंगला आरती, 5 बजे जन्मोत्सव दर्शन, सुबह 5.30 से 6.30 बजे तक महाभिषेक होगा। सुबह 7 से 9 बजे तक गौड़ीय समाज द्वारा श्रृंगार दर्शन, दोपहर 12 बजे प्रसाद वितरण, रात 9 बजे शयन आरती, 12 सितंबर को दोपहर 12 बजे से वृष भानु बधाई होगी। श्रृंगार दर्शन के दौरान गुजरात के जिला सूरत से परिधान बनाने के लिए हल्के पीले रंग का कपड़ा लाया गया है। इसमें जरी, गोटा, मोती, सितारे आदि लगाए गए हैं। आभूषण भी सूरत से लाए गए हैं।

राधा रानी के जन्मोत्सव के लिए उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के द्वारा बरसाना धाम को सजाया और संवारा जा रहा है। यहां पहली बार कोलकाता के कारीगरों द्वारा आकर्षक लाइट लगाकर 51 द्वार बनाए जा रहे हैं। जिसमें राधा रानी की विभिन्न लीला के दर्शन होंगे। मंदिर पर आकर्षक लाइटिंग की जा रही है। इसके साथ ही मंदिर में साफ सफाई करने में श्रद्धालु जुटे हुए हैं। पूरे मंदिर परिसर को साफ किया जा रहा है। सीढ़ियों पर रेलिंग लगाई जा रही हैं। दिल्ली से लाए गए फूलों से राधा रानी के महल को सजाया जाएगा। राधा रानी महाभिषेक के बाद शीश महल में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगी। 11 सितंबर की शाम को राधा रानी को सोने से बनी पालकी में विराजमान कर मंदिर के पुजारी महल से नीचे बनी सफेद छतरी में लाएंगे। यहां दो घंटे तक राधा रानी को विराजमान किया जायेगा। इस दौरान राधा रानी पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जायेगी।

राधा जन्मोत्सव में भाग लेने के लिए लाखों श्रद्धालु 10 सितम्बर को बरसाना पहुंच जाएंगे। इस दौरान बरसाना में रोप-वे श्रद्धालुओं के लिए चालू रहेगा। जिससे आसानी से श्रद्धालु राधा रानी के दर्शन को पहुंच जाएंगे। एक दिन में सिर्फ चार हजार श्रद्धालुओं को ही रोप-वे स्थल तक जाने दिया जाएगा। वहीं उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा 120 बसों तथा सिटी की 20 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा।

जिला प्रशासन और पुलिस भी श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन हों इसके इंतजाम कर रहा है। मेला क्षेत्र में 48 पार्किंग स्थल व 86 बैरियर बनाए गए है। वहीं मेला क्षेत्र में निगरानी रखने के लिए 52 स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए होल्डिंग एरिया, स्टेटिक सेट और स्पीकर की गयी व्यवस्था की गई है। राधा रानी मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए एकल मार्ग व्यवस्था की गई है। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 12 जगह पर अस्थाई स्वास्थ्य शिविर बनाए जा रहे हैं। इसमें 36 चिकित्सक, 46 पैरा मेडिकल स्टाफ और 10 एम्बुलेंस लगाई जा रही हैं। वहीं उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि राधा अष्टमी पर्व पर बुजुर्ग, बीमार और बच्चे श्री जी मंदिर न आएं।

क्योंकि सम्भावना है कि 20 लाख से ज्यादा श्रद्धालु उस दौरान बरसाना आ सकते हैं। भीड़ के समय मंदिर की सीढ़ियां चढ़कर आना और फिर दूसरे रास्ते से काफी घूम कर जाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

इस बार भी चली निजी स्कूलों की मनमानी, आरटीई के 2486 बच्चों को नहीं दिया प्रवेश

मुरादाबाद, 10 सितम्बर (हि.स.)। बीते वर्ष की भांति इस साल भी शिक्षा का अधिकार कानून (आरटीई) के तहत पात्र 2486 बच्चों को निजी स्कूलों में प्रवेश नहीं मिल पाया। वर्ष 2023-24 में भी 2000 से अधिक छात्र-छात्राएं प्रवेश से वंचित रह गए थे। वर्तमान शिक्षण सत्र के लिए चार बार लाटरी निकाली जा चुकी है, लेकिन, इन चार में आवंटित बच्चों के प्रवेश अभी तक नहीं हो पाए हैं। मामले में जिलाधिकारी ने प्रवेश न लेने वाले स्कूलों पर कार्रवाई के लिए फाइल अपने पास मंगवा ली हैं।

जिले में पब्लिक स्कूलों की मनमानी के चलते लाटरी में नाम में आवंटित 5,912 में से 2,486 दाखिले नहीं हुए हैं। अभी तक 3,426 प्रवेश ही हुए हैं। आरटीई के तहत बच्चों के दाखिले के लिए परिजनों ने बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से लेकर जिलाधिकारी के कार्यालय तक की कुंडी खटखटाई थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर अभिभावकों की समस्या पर बीएसए कार्यालय ने अब गंभीर रुख अपना लिया है। प्रवेश न लेने वाले स्कूलों पर कार्रवाई के लिए डीएम अनुज कुमार सिंह को फाइल भेज दी गई है। शासन स्तर से भी आरटीई में प्रवेश की सूचना मांगी है।

आरटीई में प्रवेश नहीं लेने वाले स्कूलों की मान्यता रद्द करने तक की संस्तुति बेसिक शिक्षा अधिकारी विमलेश कुमार ने कर दी है। ऐसे स्कूल बीएसए कार्यालय की ओर से चिह्नित करके कई बार नोटिस भी दिया गया। लेकिन नोटिस को स्कूलों ने गंभीरता से नहीं लिया है। प्रथम लाटरी मार्च में निकाली गई थी और चौथी लाटरी जून में। एक दो स्कूल तो ऐसे हैं, जिन्होंने एक भी प्रवेश नहीं लिया है जबकि आरटीई के तहत 25 प्रतिशत बच्चों के प्रवेश लिए जाने का कानून बन चुका है।

बेसिक शिक्षा अधिकारी विमलेश कुमार ने मंगलमवार को बताया कि बार-बार नोटिस देने के बाद भी प्रवेश नहीं लेने वाले स्कूलों की मान्यता रद करने को कार्रवाई के लिए फाइल जिलाधिकारी को बढ़ा दी है। आरटीई के उल्लंघन को लेकर इन विद्यालयों पर कार्रवाई की जाएगी।

माता शिव पार्वती की पूजा कर संतानों के दीर्घायु की कामना

महोबा,10 सितंबर (हि.स.)।संतान सप्तमी व्रत कथा भाद्रपद शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को संतान सप्तमी व्रत किया जाता है। यह व्रत महिलाएं अपनी संतान की लंबी उम्र के लिए रखती हैं। इस साल यह व्रत आज मंगलवार 10 सितंबर को है। इस व्रत शंकर पार्वती की पूजा की जाती है। माताओं ने हर्षोल्लास के साथ भगवान गणेश और माता पार्वती की पूजा की है।

जनपद मुख्यालय के पड़ाव के हनुमान जी मंदिर के महंत पं. वीरेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि संतान सप्तमी व्रत कथा के बारे में बताया कि एक दिन धर्मराज युधिष्ठिर ने भगवान से कहा कि हे प्रभु कोई ऐसा व्रत बताइए, जिसके प्रभाव से मनुष्यों के अनेक संसारिक क्लेश दुख दूर हो जाएं और वह पुत्रवान-पौत्रवान हो जाएं। तब भगवान बोले-हे राजन तुमने बड़ा ही उत्तम प्रश्न किया है। मैं तुमको एक पौराणिक इतिहास सुनाता हूं। एक समय लोमष ऋषि ब्रजराज की मथुरापुरी में वसुदेव-देवकी के घर गए। ऋषिराज को आया हुआ देख दोनों बहुत खुश हुए। उनको उत्तम आसन पर बैठाकर उनका अनेक प्रकार से वंदन और सत्कार किया। फिर मुनि के चरणोदक से अपने घर और शरीर को पवित्र किया।वह प्रसन्न होकर उनको कथा सुनाने लगे।

ऋषि लौमष ने कहा कि हे देवकी, दुष्ट दुराचारी पापी कंस ने तुम्हारे कई पुत्र मार डाले हैं जिसके कारण तुम दुखी हो।इसी प्रकार राजा नहुष की पत्नी चंद्रमुखी भी दुखी रही थी लेकिन उसने संतान संप्तमी का व्रत विधि विधान से किया। ये सुनकर देवकी ने हाथ जोड़कर मुनि से कहा कि हे ऋषिराज कृपा कर रानी चंद्रमुखी का संपूर्ण वृतांत विस्तार सहित मुझे बतलाइए, जिससे मैं भी इस दुख से छुटकारा पा सकूँ।

तब लोमष ऋषि ने अयोध्या के राजा नहुष की पत्नी चंद्रमुखी की तीन जन्मों की कहानी बताते हुए उसके द्वारा भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि के व्रत ,भगवान शिव व माता पार्वती के पूजन की कथा सुनाई व इस व्रत का माहात्म्य बताया तथा देवकी से भी इस व्रत को करने को कहा। महिलाओं ने विधि विधान से पूजा कर इस उत्तम पुनीत व्रत को किया और अपनी संतान की दीर्घायु की कामना की। यह व्रत संतान सुख देने वाला व समस्त पापों को नाश करने वाला है।

स्पोर्ट्स फॉर स्कूल योजना से जिले के 60 फीसदी स्कूलों ने बनाई दूरी, नहीं कराया पंजीकरण

मुरादाबाद, 10 सितम्बर (हि.स.)। माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित स्पोर्ट्स फॉर स्कूल योजना में मुरादाबाद में 60 फीसदी स्कूलों ने पंजीकरण नहीं करवाया है। इस बावत जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अरुण कुमार दूबे ने मंगलवार को बताया कि मुरादाबाद मंडल के पांचों जनपद में 1803 माध्यमिक विद्यालय पंजीकृत हैं जिसमें से अभी तक मात्र 678 पंजीकृत हुए हैं।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने आगे कहा कि विद्यालयों के विद्यार्थी स्पोर्ट्स फॉर स्कूल योजना में पंजीकरण किए बिना खेल नहीं सकेंगे। उन्होंने बताया कि इसके लिए बार-बार स्कूलों को प्रेरित किया जा रहा है कि वह छात्रहित व खेल हित में स्कूल का पंजीकरण करा लें। माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाई के साथ खेलों को बढ़ाया देने के लिए स्पोटर्स फॉर स्कूल योजना शुरू की गई है।

वहीं स्कूल शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा ने जिला विद्यालय निरीक्षक को भेजे पत्र में स्कूलों में खेल प्रतियोगिता का आयोजन कराकर छात्र-छात्राओं में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रदर्शन कराने की क्षमता का संवर्द्धन विकसित करने के निर्देश दिए हैं। स्कूलों में खेल सुविधाओं का प्रचार कर छात्रों को खेल में भाग लेने के लिए प्रेरित किया है।

कार्यक्रम के लिए पोर्टल पर विद्यालय में अध्ययनरत छात्र, विद्यालय व खेल शिक्षकों का ऑनलाइन पंजीकरण कराया जाएगा। मुरादाबाद मंडल में मुरादाबाद जनपद में 456 स्कूलों में अभी तक 269 पंजीकृत हुए हैं। अमरोहा 373 में 159 पंजीकृत हैं, बिजनौर में 497 में 145, रामपुर में 247 में 55 और संभल में 230 में 50 पंजीकृत हुए हैं।

137वीं जयंती पर याद किये गये पूर्व मुख्यमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत

फतेहपुर, 10 सितंबर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री व भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत को उनकी 137वीं जयंती पर जिले के कांग्रेसियों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया और उनके कार्यों को याद किया। गोविंद बल्लभ पंत प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री के साथ ही देश के गृहमंत्री भी रह चुके थे। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के रूप में काम करते हुए जेल की यात्रा भी की। पंत एक अधिवक्ता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और कुशल राजनेता के रूप में याद किये जाते हैं।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के खूंट में भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत का जन्म 10 सितंबर 1887 को एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम मनोरथ पंत और माता का नाम गोविंदी बाई था। पिता सरकारी कर्मचारी थे। जबकि, उनकी मां गृहणी थी। वर्ष 1899 में 12 साल की उम्र में ही उनका विवाह गंगा देवी नामक युवती के साथ हुआ था।

जीबी पंत की प्रारंभिक शिक्षा साल 1897 में रामजे कॉलेज से हुई थी। पंत पढ़ाई-लिखाई में शुरू से ही काफी होशियार थे। जिसके चलते सभी शिक्षकों के प्रिय भी रहे। इंटर पास करने के बाद पंत ने तत्कालीन इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से साल 1907 में राजनीतिक, गणित और अंग्रेजी साहित्य से बीए किया।

वहीं, साल 1909 में उन्होंने कानून की डिग्री हासिल की।

कॉलेज की ओर से उन्हें लम्सडेन अवॉर्ड भी दिया गया। इसके बाद वर्ष 1910 में वे अल्मोड़ा वापस आ गए। जहां उन्होंने वकालत शुरू कर दी। इसी सिलसिले में वे रानीखेत और काशीपुर में भी गए। काशीपुर में उन्होंने प्रेमसभा नाम से एक स्थानीय संस्था का गठन किया। गोविंद बल्लभ पंत विद्यार्थी जीवन में महात्मा गांधी के संपर्क में आने के बाद कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। इसके बाद दिसंबर 1921 में गांधीजी के नेतृत्व में उन्होंने असहयोग आंदोलन में भाग लिया। पंत अगस्त 1925 में हुए काकोरी कांड में पकड़े गए दोषियों के समर्थन में खुलकर उन्हें छुड़ाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया था।

वर्ष 1930 में अंग्रेजों के उत्पीड़न के खिलाफ चलाए जा रहे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दांडी यात्रा में शामिल हुए।जिसके बाद अंग्रेजों ने पंत समेत कई आंदोलनकारियों को गिरफ्तार कर लिया था। गोविंद बल्लभ पंत वर्ष 1921, 1930, 1932 और 1934 के स्वतंत्रता आंदोलन में 7 साल जेल में बंद रहे। 17 जुलाई 1937 को गोविंद बल्लभ पंत संयुक्त प्रांत (उत्तर प्रदेश) के पहले मुख्यमंत्री बने।

गोविंद बल्लभ पंत 1946 से दिसंबर 1954 तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने 21 मई 1952 को जमींदारी उन्मूलन कानून को प्रभावी बनाया था। उनकी कार्य क्षमता और कुशलता को देखकर उन्हें देश का गृह मंत्री भी बनाया गया था। साल 1955 से लेकर 1961 तक इस पद पर रहते हुए उन्होंने अपना अहम योगदान दिया। देश के लिए समर्पित और अहम योगदान के लिए गोविंद बल्लभ पंत को वर्ष 1957 में भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से नवाजा गया।

जिलाधिकारी ने किया विकास खण्ड मल्लावां का निरीक्षण

हरदोई, 10 सितंबर (हि.स.)। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने शुक्रवार को विकास खण्ड मल्लावां का निरीक्षण करते हुए विभिन्न पटलों के कार्य को देखा। सबसे पहले उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के पटल को देखा। उन्होंने कुछ आवेदनों में गवाहों के हस्ताक्षर न देखकर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि ग्राम पंचायत अधिकारी के नाम व पदनाम वाली मुहर आवेदन पत्र में लगवाई जाये। उन्होंने कई ग्राम पंचायतों की आवास पत्रावली देखी। व्यवस्थित आवास पत्रावली न मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। पत्रावली में आवेदन व स्वीकृति पत्र संलग्न नहीं पाया गया।

उन्होंने भूसा क्रय की फाइल देखी। फाइल व्यवस्थित न होने पर उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी व पटल सहायक को कड़ी फटकार लगायी। वेतन से सम्बंधित रजिस्टर देखे। इसके बाद उन्होंने ऑडिट रजिस्टर देखा।

अनुदान रजिस्टर में लेखा अंकन में विसंगति होने पर उन्होंने लेखाकार व खण्ड विकास अधिकारी को फटकार लगायी। लेखाकार को वित्तीय नियमों की सम्पूर्ण जानकारी न होने पर उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी आर के सिंह व लेखाकार सुशील कुमार को कड़ी फटकार लगायी। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अविभाजित उत्तर प्रदेश के लिए पं. गोविंद वल्लभ पंत के कार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे : सीएम योगी

-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत रत्न, पंडित गोविंद वल्लभ पंत जी की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर किया माल्यार्पण, अर्पित की श्रद्धांजलि

लखनऊ, 10 सितंबर (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री और देश के गृहमंत्री रहे भारत रत्न, पंडित गोविंद वल्लभ पंत की 137वीं जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पंडित गोविंद वल्लभ पंत ने अविभाजित उत्तर प्रदेश के लिए और देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए जो कार्य किए वह सदैव स्मरणीय रहेंगे। उत्तर प्रदेश में विकास के कार्यों की आधारशिला रखने के लिए भारत के ऐसे महान सपूत की स्मृतियों को नमन करते हुए उनकी पावन जयंती पर प्रदेश सरकार और प्रदेश की जनता की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

पंडित गोविंद वल्लभ पंत की कार्ययोजना पर ही आधारित है आज का उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री योगी ने पंडित गोविंद वल्लभ पंत की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल अत्यंत ही यशस्वी रहा। उन्होंने कहा कि पंडित गोविंद वल्लभ पंत एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर उन्होंने अपनी अच्छी खासी प्रैक्टिस छोड़ दी और आजादी के आंदोलन से जुड़ गए। उन्होंने आंदोलन में भाग लिया, जेल की यातना सही, लेकिन आजादी के उस आंदोलन से कभी विचलित नहीं हुए। यही कारण था कि आजादी के आंदोलन के दौरान उनके द्वारा किए गए योगदान, लगातार किए गए संघर्षों के कारण उन्हें स्वतंत्र भारत में देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का उत्तरदायित्व सौंपा गया।

उन्होंने 1954 तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दीं। उस समय के उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए, जनता को बुनियादी सुविधाएं प्राप्त हों इसके लिए, शिक्षा, स्वास्थ्य और उस समय के अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर देने के लिए उन्होंने एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की, जिस पर आज का हमारा उत्तर प्रदेश आधारित है। योगी ने कहा कि 1954-55 में पंडित गोविंद वल्लभ पंत को देश के गृह मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। इस दौरान राजभाषा हिंदी हो इसके लिए उनका प्रयास अत्यंत ही अतुल्य है। रेवेन्यू के सेक्टर में उनके द्वारा किए गए रिफॉर्म आज भी एक गरीब को न्याय प्रदान करते हैं।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, लालजी प्रसाद निर्मल, रामचंद्र प्रधान, विधायक नीरज बोरा आदि उपस्थित रहे।

स्पर्श चिकित्सा आध्यात्मिक शक्तियों पर आधारित : सतीश राय

-धार्मिक ग्रंथों में स्पर्श चिकित्सा का वर्णन

प्रयागराज, 10 सितम्बर (हि.स.)। बीमारी ठीक करने के दो तरीके हैं। पहला केमिकल एनर्जी अर्थात दवाएं जिस पर बहुत ज्यादा शोध हुआ है और हो रहा है। दूसरा यूनिवर्सल एनर्जी यानी छूकर तरंगों के माध्यम से किया जाने वाला इलाज अर्थात स्पर्श चिकित्सा जो आध्यात्मिक शक्तियों पर आधारित है।

यह बातें एसकेआर योग एवं रेकी शोध प्रशिक्षण और प्राकृतिक संस्थान की ओर से रेकी सेंटर पर मंगलवार को जाने-माने स्पर्श चिकित्सक सतीश राय ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में लोगों को सम्बोधित करते हुए कहीं।

उन्होंने कहा कि एलोपैथ, आयुर्वेद और होम्योपैथ चिकित्सा के जमाने में स्पर्श चिकित्सा से कम लोग ही परिचित होंगे। जबकि पुराने और धार्मिक ग्रंथों में स्पर्श चिकित्सा का वर्णन मिलता है। इसे सीख कर बिना किसी तरह का धन व्यय किए ही रोगों से मुक्ति पा सकते हैं। इसमें बस आत्मविश्वास और ध्यान देने की जरूरत होती है।

पैसे के अभाव में लोग इलाज नहीं करा पाते

उन्होंने कहा कि सेहत सबसे बड़ी सम्पत्ति है। यदि सेहत अच्छी न हो तो दुनिया का कोई भी सुख-सम्पत्ति, वैभव व्यक्ति को असली खुशी नहीं दे सकता। यहां तरह-तरह की बीमारियों से लोग त्रस्त हैं। पैसे के अभाव में लोग इलाज नहीं करा पाते। इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका है स्पर्श चिकित्सा पद्धति को अपनाकर लोग बिना पैसा खर्च किए ही स्वस्थ हो सकते हैं।

मौसमी बीमारियों से होती है शरीर की रक्षा

सतीश राय ने कहा कि स्पर्श चिकित्सा को जीवन का हिस्सा बनने से मौसम बदलने पर स्वास्थ्य से जुड़ी मौसमी चुनौतियां जैसे सर्दी जुकाम, खांसी, कफ, गले में खराश, बुखार जैसे रोग से बचेंगे और स्वस्थ रहेंगे। उन्होंने कहा कि मौसम का तापमान बढ़ने या गिरने से सांस के रोगियों की बीमारियां बढ़ जाती हैं। यह बीमारी ठंड के मौसम में ज्यादा होती है। सर्दियों में अपने जीवन शैली में परिवर्तन कर शरीर को कड़ाके की ठंड से जूझने के लिए तैयार करें।

ताकि मौसमी बीमारियों से बचाव हो। शरीर में गर्मी पैदा करने एवं ऊर्जा प्राप्त करने का सबसे अच्छा स्रोत है स्पर्श चिकित्सा। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है और शरीर को स्वस्थ रखता है।

(विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस) मानसिक बीमारियां, पारिवारिक समस्याएं बन रहीं आत्महत्या की बड़ी वजह

लखनऊ, 10 सितंबर (हि.स.)। हर साल लाखों लोग मानसिक तनाव, सामाजिक दबाव और व्यक्तिगत चुनौतियों के कारण आत्महत्या करने पर मजबूर होते हैं। आत्महत्या को लेकर जागरुकता बढ़ाने को लेकर हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। यह आत्महत्या की रोकथाम के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। केजीएमयू के मानसिक स्वास्थ्य विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. आदर्श त्रिपाठी बताते हैं कि इसमें 30 प्रतिशत अतिरिक्त योगदान मानसिक बीमारियों का है। उन्होंने बताया कि डिप्रेशन, एंग्जायटी, सायकोटिक डिसऑर्डर, नशे के सम्बंधित बीमारियां जोकि आत्महत्या से सम्बंधित व्यवहार को बढ़ावा देती हैं। ऐसे में मानसिक बीमारियों की पहचान और सही समय पर इलाज करवाना भी सुसाइड के केसेस को पर्याप्त ढंग से रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि लोग आत्महत्या का प्रयास आवेश में आकर करते हैं जैसे पारिवारिक झगड़े के बाद, लडाई, ब्रेकअप आदि अगर व्यक्ति कुछ पलों के लिए उस बात से भटक जाए तो ऐसा नहीं करेगा इसलिए सामान्यतः सभी को यह सलाह ही जाती है कोई व्यक्ति यदि परेशान है तो उसकी बात सिर्फ सुन ली जाये। इस बार इस दिवस की थीम है ह्यनैरेटिव बदलें" जोकि एक महत्वपूर्ण संदेश देता है कि आत्महत्या के बारे में हमारी सोच बदलने की जरूरत है। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्या से जुड़े मिथकों को तोड़ना, जागरुकता बढ़ाना और समर्थन के लिए एक ऐसा माहौल का तैयार करना है जिससे आत्महत्याओं को रोका जा सके। इस सम्बन्ध में राज्य कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थय कार्यक्रम कि तरफ से सभी जिलों को इस दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए पत्र जारी किया गया है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के एक्सीडेंटल डेथ एवं सुसाइड रिपोर्ट 2022 के अनुसार देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में आत्महत्या की दर 3.5 है। राज्य में 2022 में कुल 8,176 आत्महत्याएं दर्ज की गयीं, जिसमें 5225 संख्या पुरुषों की रही, वही 2951 आत्महत्या महिलाओं द्वारा कीं गयी। इसमें से 1631 आत्महत्या गृहिणियों

की रही, 5162 शादीशुदा जोड़ो की, 1521 बेरोजगार व्यक्ति और 1060 छात्रों की रही। यह आंकड़ा दिखाता है कि सामाजिक और मानसिक दबाव, पारिवारिक समस्याएं और वित्तीय तनाव आत्महत्याओं के पीछे की मुख्य वजह है। महाराष्ट्र में 22,746 लोगों ने आत्महत्या की। तमिलनाडु में 19,834, मध्य प्रदेश में 15,386, कर्नाटक में 13,606, पश्चिम बंगाल में 12,669 लोगों ने आत्महत्या की। देश में होने वाले कुल आत्महत्या के मामलों में 49.3 प्रतिशत आंकड़े सिर्फ इन पांच राज्यों से हैं।

गणेश चतुर्थी पर अशरफ हाशमी के घर सात दिन विराजते हैं बप्पा, गाजे-बाजे के साथ होता है विसर्जन

जौनपुर ,10 सितंबर (हि. स.)।जिले के केराकत में गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल सामने आई है। यहां मुस्लिम परिवार ने अपने घर के अंदर लगातार चौथे साल भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की है। प्रतिमा को 7 दिन अपने घर में रखेंगे और उसके बाद विधि-विधान से विसर्जन करेंगे। मामला केराकत थाना क्षेत्र का है।

केराकत के टंडवा गांव निवासी अशरफ हाशमी अपने घर में भगवान गणेश की प्रतिमा को पूरे विधि-विधान से स्थापित करते हैं। पूरा परिवार व मोहल्ला मिलकर गणपति की पूजा करता है। अशरफ हाशमी (22) पुत्र फिरोज हाशमी पिछले चार साल से गाजे-बाजे के साथ गणपति प्रतिमा स्थापित करते हैं। मंगलवार को हिन्दुस्थान समाचार प्रतिनिधि से बात करते हुए अशरफ ने बताया कि जब तक विघ्नहर्ता की कृपादृष्टि रहेगी तब तक वे प्रतिमा स्थापित करते रहेंगे। पं आलोक चौबे द्वारा अशरफ के घर में सातों दिन पूजा कराई जाती है। अशरफ ने बताया कि उनके समुदाय के बहुत कम ही लोग उनके घर पूजा में शामिल होते हैं। सात दिनों तक अशरफ और उनका परिवार फलाहार करते हैं। पूरी साफ-सफाई के साथ विघ्नहर्ता को पूजते हैं। प्रतिमा सिंधौरा से लाई जाती है।मूर्ति तो अशरफ अपने पैसे से लाते हैं लेकिन दानपेटी में मुस्लिम और हिंदू समाज के लोग अपना योगदान देते हैं। अशरफ मुंबई में स्टील कंपनी में काम करते हैं। उनका परिवार गांव में रहता है। अशरफ गणेश चतुर्थी के समय हर साल जौनपुर आते हैं।

अशरफ ने बताया कि टंडवा स्थित घर पर वे बीत चार वर्षों से गणपति प्रतिमा स्थापित करते हैं। मुंबई में चार वर्ष पहले गणपति महोत्सव का भव्य आयोजन देख उनके मन में आस्था जागी। उन्होंने मन में ठाना कि वे अपने घर पर भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित करेंगे। तब से लेकर आज तक वे इस आयोजन को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। अशरफ ने बताया कि मोहल्ले में कुछ मुस्लिम परिवार ऐसे हैं, जो गणपति महोत्सव मनाने में उनके परिवार का सहयोग करते हैं और अपने परिवार के साथ सहभागिता करते हैं। वहीं, कुछ परिवार का आंतरिक विरोध भी झेलना पड़ता है। हालांकि अशरफ ने बताया कि इससे उन्हें या उनके परिवार को कोई फर्क नहीं पड़ता।

अनियंत्रित कार पलटने से महिला समेत दो की मौत, वन दरोगा समेत पांच घायल

महोबा, 10 सितंबर (हि.स.)। चरखारी में एक हिट एंड रन का मामला सामने आया है, जहां बाइक को टक्कर मारने के बाद भाग रही तेज रफ्तार बोलेरो कार असंतुलित होकर पलट गई। इस हादसे में सड़क किनारे बेटे को शौच करा रही महिला समेत दो की दर्दनाक मौत हो गई है। वहीं मासूम समेत कार सवार पांच लोग घायल हो गए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

जनपद के चरखारी वन रेंज में तैनात वन दरोगा पुष्पेंद्र अपने साथियों के साथ बोलेरो कार से खरेला जा रहे थे। सोमवार की देर रात रास्ते में मुस्कुरा रोड पर तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार रिवई निवासी राजेंद्र (27) घायल हो गया। हादसे के बाद भगाने के प्रयास में कार असंतुलित होकर पलट गई, जिसकी चपेट में आने से सड़क किनारे अपने डेढ़ वर्षीय पुत्र रितिक को शौच करा रही महिला गायत्री प्रजापति (25) पत्नी सुरेंद्र आ गई और मौके पर ही महिला की दर्दनाक मौत हो गई है। वहीं इस हादसे में कार चालक दशरथ की भी जान चली गई। बताया जा रहा है कि मृतका गायत्री प्रजापति पिछले कुछ दिनों से अपने पिता के यहां चरखारी में मुस्करा रोड पर रह रही थी, जहां वह बीती रात अपने बेटे को शौच क्रिया के लिए सड़क किनारे लेकर गई थी तभी अचानक कार पलटने से उसकी मौत हो गई है। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है

शराब के नशे में थे कार सवार

हादसे के बाद मौके पर घायलों में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची चरखारी थाना पुलिस ने राहगीरों की मदद से कार सवार घायल वन दरोगा पुष्पेंद्र, श्यामजी और राकेश को गाड़ी से बाहर निकाला और उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है। बताया जा रहा की कार सवार शराब के नशे में थे।

हाथरस सड़क हादसे के बाद भी नहीं जागा फिरोजाबाद पुलिस प्रशासन

फिरोजाबाद:झहाथरस में हुए भीषण सड़क हादसे के बाद भी फिरोजाबाद यातायात पुलिस कुंभकरणीय नींद में सो रही है जहां लगातार थाने के सामने से लोडर वाहनों में सवारियों को भरकर ले जाया जाता है। ना तो इस और यातायात पुलिस और ना ही थाना पुलिस का कोई ध्यान जाता है। शायद फिरोजाबाद पुलिस प्रशासन हाथरस सड़क हादसे का जैसा ही सड़क हादसा फिरोजाबाद में होने का इंतजार कर रही है।

जैसा कि आप सब जानते हैं फिरोजाबाद कांच उद्योग के लिए प्रसिद्ध है जहां दूर दराज ग्रामीण इलाकों से कारखानों में काम करने के लिए मजदूर आते हैं इन मजदूरों को लाने व ले जाने के लिए लोडर वाहनों का प्रयोग किया जाता है ये वाहन बिना रोक टोक कई थाना क्षेत्रो व कई थानों के सामने से होकर गुजरते हैं ऐसा ही नजरा थाना खैरगढ़ के सामने प्रतिदिन देखने को मिलता है जहां दर्जनों की संख्या में लोडर वाहनों में अनगिनत मजदूरों को जानवरो की तरह भर कर ले जाया जाता है ये वाहन थाने के ठीक सामने होकर गुजरते हैं लेकिन इस ओ पुलिस का कोई ध्यान नहीं जाता इससे साफ प्रतीत हो रहा है कि फिरोजाबाद पुलिस हाथरस सड़क हादसे जैसा ही फिरोजाबाद में भी सड़क हादसे का इंतजार कर रही है।

आदमखोर भेड़ियाके पहुंचने की आहट,गोपालापुर में हुई घटना के बाद पुलिस प्रशासन हुआ सक्रिय

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रतापगढ़, । बहराइच से लेकर बलिया तक आतंक मचाने वाले आदमखोर भेड़िया के अब प्रतापगढ़ पहुंचने की भी आहट मिली है। 10 सितंबर 2024 की भोर में नगर कोतवाली क्षेत्र के गोपालापुर में दरवाजे पर बंधी बकरियों पर आदमखोर भेड़ियों के झुंड द्वारा मिलने की बात सामने आयी है। आदमखोर भेड़ियों के हमले में एक बकरी की मौत होने की भी पुष्टि हुई है।

प्रतापगढ़ में भी हुई आदमखोर भेड़ियाके पहुंचने की आहट

सीओ सिटी शिवकुमार वैश्य ने वीडियो संदेश जारी कर घटन की पुष्टि किया है।

उन्होंने बताया कि गोपालापुर में हुई घटना की जानकारी डायल 108 पर 10 सितंबर की सुबह पुलिस को मिली थी। इसके बाद पुलिस बल मौके पर पहुंचा तो वहां ग्रामीणों द्वारा दरवाजे पर बंधी बकरियों पर भेड़ियों के झुंड द्वारा हमला किये जाने की जानकारी दी गयी।

सीओ सिटी ने बताया कि पुलिस के साथ ही वन विभाग की टीम को सक्रिय कर दिया गया है। इस मामले में जो भी अपडेट होगा लोगों को उससे अवगत कराया जायेगा।

बता दें कि जिले में करीब दो दशक पहले भेड़ियों के आतंक की चपेट में रह चुका है। यहां एक बार फिर आदमखोर भेड़िया के आहट की खबर के बाद लोगों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क हो गया है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर श्रीराधा जन्म-महोत्सव की भव्यता होगी निराली

भागवत-भवन में विराजित श्रीराधाकृष्ण के प्रत्यक्ष की श्रीविग्रह के समक्ष होगा अद् भुद आयोजन।

दिव्य पोशाक एवं आभूषण धारण करेंगी श्रीराधे।

भव्य और दिव्य होगा राधाष्टमी महोत्सव ।

मथुरा राधाष्टमी के सुअवसर पर जानकारी देते हुये श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव श्री कपिल शर्मा ने बताया कि सन्त एवं शास्त्रों के मतानुसार श्रीराधा जन्म-महोत्सव का आयोजन, दर्शन सभी दैविक, दैहिक एवं भौतिक तापों का शमन करता है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के वृहद महोत्सव के फल की पूर्णता भी श्रीराधा जन्म महोत्सव के आयोजन से ही प्राप्त होती है। ऐसी पौराणिक एवं शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर विराजमान सर्वेश्वरी श्रीराधा एवं सर्वेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के प्रत्यक्ष श्रीविग्रह, राधाकृष्ण युगल सरकार के दिव्य सानिध्य में श्रीराधा जन्म महोत्सव शास्त्रीय मयार्दाओं वं महोत्सव की परंपराओं के अनुरूप मनाया जायेगा। भगवान श्रीकृष्ण की पवित्र प्राकट्य भूमि पर श्रीराधाजी के जन्म महोत्सव के आयोजन एवं दर्शन का एक विशिष्ट महत्व है।

ऐसे सन्त, भक्त एवं वैष्णव जिन्होंने श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर आयोजित होने वाले दिव्य अलौकिक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के दर्शन किये हैं, वह भी बहुत बड़ी संख्या में श्रीराचा जन्म महोत्सव के दर्शन के लिए भी पधारते हैं।

श्रीराधा जन्म महोत्सव को बहुत ही भव्य और दिव्य स्वरूप में संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियों जोर-शोर से चल रही है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान भवन पर दिव्य और भव्य विद्युत सजावट करायी जा रही है साथ ही अद्भुद पुष्प-बंगलें में विराजमान श्रीराधाजी के जन्म के दर्शन भक्त करेंगे। दिव्य अभिषेक, अदभुद आभूषण एवं विलक्षण श्रंगार इस जन्मोत्सव की भव्यता में वृद्धि करेंगे।

श्रीराधा जन्म महोत्सव का मुख्य कार्यक्रम प्रातः 11:15 बजे श्रीगणेश, नवग्रह पूजन से शुरू होगा तदोपरान्त श्रीराधा का सुगन्धित पुष्प से सहस्त्रार्चन होगा। मध्यान्ह 12:00 बजे महोत्सव की महाआरती होगी तदोपरान्त श्रीराधाजी के चलविग्रह भागवत-भवन में बनाये जा रहे, भव्य अभिषेक स्थल मंच पर कमल पुष्प में विराजित होंगी। कमल-पुष्प में विराजित श्रीराधाजी के चलविग्रह का पंचामृत महाभिषेक संपन्न होगा तदोपरान्त श्रंगार, आरती होगी।

इस वर्ष मंगल आयोजन में विशेष रूप से आमंत्रित बुन्देलखण्ड के राई नृत्य ग्रुप अपनी सहभागित करेंगे। उद्दाम संकीर्तन एवं नृत्य आदि के मध्य प्रातः 9:00 बजे श्रीअन्नपूर्णेश्वर महादेव मंदिर से ब्रजवासी भक्तजन श्रीराधा जन्म की बधाई-चाब उ द्दाम संकीर्तन नृत्य, मंगल ध्वनि के मध्य श्रीराधाजी विराजमान भागवत-भवन में अर्पित करेंगे।

संस्थान की प्रबंध समिति के सदस्य श्री गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि इस अवसर पर ब्रज के रसिक भजन गायक श्रीमती शालिनी शर्मा व उनके सहयोगी अद् भुद एवं रसमय भजन एवं बधाई गायन करेंगे। बधाई गायन कार्यक्रम प्रातः 9:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे किया जायेगा। बधाई-गायन के मध्य श्रद्धालु भक्तजन को बृहद मात्रा में मिष्ठान, फल, खिलौने, वस्त्र, प्रसाद आदि वितरित किये जायेंगे। सुरक्षा की दृष्टि श्रद्धालुजन इलैक्ट्रोनिक सामान, मोबाइल आदि लेकर न आयें साथ ही माताएँ-बहिनें कीमती आभूषण, चैन आदि सुरक्षा की दृष्टि से पहनकर न आयें

जन्ममहाभिषेक एवं बधाई गायन के उपरान्त श्रद्धालुओं को वृहद मात्रा में प्रसाद का वितरण किया जायेगा साथ ही श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर पधारे सभी श्रद्धालुओं हेतु श्रीकृष्ण जन्मस्थान के अन्नपूर्णेश्वर महादेव के सानिध्य में विशाल प्रसादी भण्डारे की व्यवस्था होगी।

जिले में लगेगी हवा की गुणवत्ता जांचने की मशीन

हाथरस। जिले में हवा की गुणवत्ता जांचने के लिए आधुनिक मशीन लगाई जाएगी। इस पर करीब डेढ़ करोड़ रुपये का खर्च आएगा। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इसका प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। जिले में वायु प्रदूषण के स्तर को लेकर असमंजस बना रहता है। वर्तमान में लगा संयंत्र काफी पुराना है। इससे प्रदूषण के सटीक आंकड़े सामने नहीं आ पाते। यही वजह है कि अब आधुनिक संयंत्र लगाने की तैयारी की जा रही है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अलीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से इसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। इसके तहत जिले में कई जगह स्वचलित वायु गुणवत्ता अनुक्रमणिका संयंत्र लगाए जाएंगे, ताकि आगरा, अलीगढ़ और मथुरा की भांति हाथरस में भी प्रदूषण की सटीक जानकारी की जा सके और इसके निस्तारण के लिए कदम उठाए जा सकें। क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड राधेश्याम ने बताया कि करीब 1.5 करोड़ रुपये की लागत से यह संयंत्र लगाया जाएगा।

श्रीकृष्ण की लीला के श्रेष्ठ चित्र के लिए 51 हजार के पुरस्कार की घोषणा

श्रीकृष्ण राष्ट्रीय चित्रांकन शिविर प्रारंभ, देश के 11 राज्यों के चित्रकार कृष्ण की लीलाओं के चित्र बनाने पहुंचे

चित्रकार ने भगवान का चित्रण कर उसे इंसान से मिलवाया: गन्ना मंत्री

उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के राष्ट्रीय चित्रांकन शिविर में चित्र बनाते हुए देखने स्कूली बच्चे पहुंचने लगे

मथुरा/वृंदावन।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव-2024 के आयोजनों के क्रम में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के तीन दिवसीय *श्रीकृष्ण राष्ट्रीय चित्रांकन शिविर-2024* का शुभारंभ प्रदेश के गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने वृंदावन के गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी में किया।

चित्रांकन शिविर के मुख्य अतिथि गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी के सुझाव पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी एस बी सिंह ने घोषणा की कि जो चित्रकार कैनवास पर भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का सबसे सुदर चित्र बनाएगा, उसे परिषद द्वारा 51 हजार का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इस पुरस्कार को देने की परंपरा हर वर्ष के लिए है।

शिविर के मुख्य अतिथि श्री चौधरी ने कहा कि इंसान को चित्रों के माध्यम से ही भगवान का आभास होता है। इसलिए चित्रकार अपने आप में महान होता है उसका चित्रांकन एक अमूल्य विधा होती है।

गन्ना मंत्री श्री चौधरी ने 11 राज्यों से आये 24 महिला व पुरुष चित्रकारों को पटुका पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि देश भर से वृंदावन पधारे ये चित्रकार धन्य हैं जो भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं के चित्र बनाने यहां ब्रज में पधारे हैं।

उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एस बी सिंह ने बताया कि परिषद ने ब्रज में भगवान श्रीकृष्ण की लीला स्थलियों को संवारा है। भगवान की लीलाओं का मंचन करवाया जा रहा है। अब उन्ही लीलाओं का चित्रण करने आप चित्रकार देश के विभिन्न स्थानों से पहुंचे हैं।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के ब्रज संस्कृति विशेषज्ञ डा उमेश चंद्र शर्मा ने ब्रज की चित्रकला पर प्रकाश डाला।

संचालन करते हुए गीता शोध संस्थान, वृंदावन के समन्वयक चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने राष्ट्रीय चित्रांकन शिविर के बारे में बताया और चित्रकारों का परिचय कराया।

कार्यक्रम में इस्कॉन पुणे के वरिष्ठ पदाधिकारी संजय भोसले ने गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी को गीता की प्रति भेंट की। श्री भोसले को मीराबाई पुस्तक भेंट की गयी।

इस मौके पर गीता शोध संस्थान के निदेशक प्रो दिनेश खन्ना ने गन्ना मंत्री आदि का पटुका पहना कर स्वागत किया। गीता शोध संस्थान वृंदावन में शिविर के शुभारंभ में दीप प्रज्जवलन के उपरांत रासलीला का प्रशिक्षण पा रहे बच्चों ने मंगलाचरण की संगीतमयी प्रस्तुति दी।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस की काम बंद हड़ताल जारी

हाथरस। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के बैनरतले नगर पंचायत सासनी के सफाई कर्मचारियों ने कामबंद हडताल दूसरे दिन भी जारी रखी। और मांगे पूरी न होने तक कामबंद हडताल पर जमे रहने की चेतावनी दीं

सोमवार से हडताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों ने दूसरे दिन भी कामबंद हडताल जारी रही। और अपनी ज्वलंत मांगें पूरी न होने तक हडताल जारी रखने की चेतावनी दी है। सफाई कर्मचारियों ने बताया कि पिछले शुक्रवार को उन्होंने दर्जनभर अधिकारियों और मंत्रियों को एक पत्र लिखकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया था।

मगर उनकी समस्या का समय रहते समाधान नहीं हुआ तो उन्हें मजबूरन कामबंद हडताल पर जाना पडा। कामबंद हडताल पर प्रदीप बाल्मीक, अशोक चैहान, हरीशंकर, राजेश कुमार, निक्की, नीलम, गीता, रामवीर, आकाश, सोनू, पवन, वीरीसिंह, अनिल, कविता, पूजा, रजनी, कौशल, प्रमोद, दीपक, कुलदीप, सुरजीत, दयाचंद, नीरू, सूरजमुखी, शारदा, मंजू, आदि शामिल हैं।

हर घर जल योजना को नगला रमिया के ग्रामीणों ने लगाया आरोप आंदोलन कर कार्य कराया बन्द

जसराना क्षेत्र के ब्लॉक एका ग्राम पंचायत भगनेर के नगला रमिया में संपूर्ण गांव के परिवारों ने प्रधानमंत्री द्वारा चलाए गए हर घर जल योजना

को लेकर जनपद फिरोजाबाद के जल कर विभाग द्वारा पाइप लाइन का कार्य चल रहा था वही नगला रमिया के ग्रामीणो द्वारा कार्य को बंद करा दिया गया है ग्रामीणों का कहना है कि गांव में प्रधान द्वारा किसी भी नाली का निर्माण नहीं किया गया है जिससे घरों का गंदा पानी के लिए तालाब नही है गांव का गंदा पानी उस तालाब में जा सके गांव में लेखपाल द्वारा बताया गया लिखित में एक तालाब है लेकिन वह भी दिखाई नहीं दे रहा है गांव का गंदा पानी निकासी के लिए कोई भी स्थान नहीं है

सरकार एवं तहसील स्तरीय अधिकारियों से कई बार ग्रामीणों ने अपील की है लेकिन इस विषय पर किसी की कोई भी सुनवाई नहीं हुई है महिलाओं एवं बुजुर्ग व्यक्तियों ने गांव में जल कर विभाग के कार्य को लेकर आंदोलन खड़ा कर दिया वही दो-तीन परिवार के घरों के लिए कोई भी निकलने के लिए रास्ता नहीं है ब्लॉक एका के वि खण्ड अधिकारी से लेकर अन्य अधिकारियों से शिकायत भी की गई है लेकिन किसी भी प्रकार से प्रधान ने कोई भी कार्रवाई नही की गांव में कहीं भी किसी भी नाली का निर्माण कार्य नहीं हुआ है और ना ही कोई भी तालाब जिसमें घरों का गंदा पानी निकासी किया जा सके इसलिए ग्रामीणों ने जलकर विभाग के कार्य में बांदा डालते हुए आरोप लगाया है कि जब तक गांव में नाली निर्माण एवं तालाब का निर्माण नहीं होगा तब तक जलकर विभाग की कोई भी कार्रवाई पर सहमति नहीं देंगे ग्रामीण

मेंला श्री दाऊ जी महाराज में अखिल भारतीय विराट बुर्ज कुश्ती दंगल में पहले दिन अखाड़े पर कई पहलवानों ने अपने जौहर दिखाये

–पहलवानो का हाथ मिलवाते अतिथि

हाथरस। बृज के लख्खी मेंला श्री दाऊ जी महाराज में अखिल भारतीय विराट बुर्ज कुश्ती दंगल में पहले दिन अखाड़े पर कई पहलवानों ने अपने जौहर दिखाये।

दंगल प्रांगड़ पहुँचे राजनेता ,पहलवान ,समाजसेवी आदि ने कुश्ती लड़ने अखाड़े में उतरे पहलवानों के हाथ मिलवाकर कुश्ती शुरू कराई। विजयी पहलवानों को हाथ के हाथ इनाम की राशि दी गई।

मेला प्रांगण स्थिति दंगल देखने वालों की भीड़ पहले ही दिन से दिखने लग गई। दंगल अखाड़े में पहलवानों ने अखाड़े में उतर कर कुश्तियां लड़ी। दंगल अखाड़े में उतरे पहलवानों ने दंगल के अखाड़े पर विराजमान श्री हनुमान जी महाराज एवं श्री दाऊजी महाराज को दंडवत प्रणाम कर आशीर्वाद लिया।आज हुई प्रमुख कुश्तियां,2100 की कुश्ती अंकित पहलवान सेंगरा व बबलू बरीगेट कर बीच गई,11 हजार की कुश्ती धीरज बरी गेट व तेजवीर बखोना के बीच हुई,11 हजार की कुश्ती शिवम रेलवे व मोहित बदायूँ के बीच हुई,2100 की कुश्ती गौरव व राजेश के बीच हुई,5000 की कुश्ती अखाडा हरिकेश के हर्ष व फिरोजाबाद के इशू के बीच हुई,5100 की कुश्ती करताव व भूरा के बीच हुई,सांसद अनूप प्रधान ,जिलाध्यक्ष शरद महेश्वरी ,समाजसेवी धीरेन्द्र सिंह चौहान , अनिल श्रोती आदि ने अखाड़े पर उतरे पहलवानों के हाथ मिलवाकर कुश्ती शुरू कराई।

विजयी पहलवानों को दंगल कमेटी द्वारा इनाम दिया गया।

इस अवसर पर दंगल संयोजक मनोज अग्निहोत्री , संरक्षक पूर्व विधायक राजवीर पहलवान , देवेंद्र शर्मा ,जय शर्मा ,नवीन सबलोक ,सुनील पंडित ,प्रवीन खंडेलवाल ,मानवीर सिंह , अमन बंसल , विष्णु अग्निहोत्री , उमाशंकर गुप्ता , प्रबल प्रताप , यादवेंद्र अग्निहोत्री , तरूण शर्मा , विष्णु अग्निहोत्री ,हरिगोपाल अग्निहोत्री , दंगल मीडिया प्रभारी आशीष सेंगर आदि, मौजूद रहे।

लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण हेतु न्यायिक अधिकारियों के साथ हुई बैठक

न्यायिक अधिकारियों के साथ बैठक करते अपर जनपद न्यायाधीश

हाथरस। उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के आदेशानुसार जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष, सतेन्द्र कुमार के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में 14 सितम्बर, 2024 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण हेतु अपर जनपद न्यायाधीश, नोडल अधिकारी महेन्द्र श्रीवास्तव की अध्यक्षता में व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अपर जनपद न्यायाधीश, सचिव, प्रशान्त कुमार की उपस्थिति में न्यायिक अधिकारीगण के साथ बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें सिविल जज (व.प्र.) जयहिन्द कुमार सिंह, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, हाथरस, मुन्नालाल, अपर सिविल जज (व.प्र.) दीपक नाथ सरस्वती, सिविल जज(व.प्र.), एफ.टी.सी., हाथरस, अनु चैधरी, सिविल जज(क0प्र0) श्रुति त्रिपाठी, न्यायिक मजिस्ट्रेट, हाथरस, पूनम कुमारी चैहान, अपर सिविल जज (क.प्र.), हर्षिका रस्तोगी, अपर सिविल जज (क.प्र.), अनिष्का चैधरी, सिविल जज (क.प्र.), एफ.टी.सी., द्वितीय, दीपा सैनी, सिविल जज (क.प्र.),एफ.टी.सी., प्रथम, शिवजी यादव उपस्थित रहे। अपर जनपद न्यायाधीश, नोडल अधिकारी, लोक अदालत, महेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा उपस्थित समस्त न्यायिक अधिकारीगण से न्यायालयों द्वारा अब तक पक्षकारों को जारी किये गये नोटिसों की मॉनिटरिंग की गयी तथा तामीला की स्थिति तथा लोक अदालत में निस्तारण हेतु तैयार वादों के सम्बन्ध में जानकारी की गयी। जिससे इस राष्ट्रीय आयोजन को सफल बनाया जा सके।

बालिकाओं को शिक्षा के प्रति किया जागरूक व विभागीय योजनाओं की दी जानकारी

मनीषा भारद्वाज वन स्टाप सेंटर की कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए

हाथरस। जिलाधिकारी आशीष कुमार के निर्देशन व जिला प्रोबेशन अधिकारी सीमा मौर्या के मार्गदर्शन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2024 के उपलक्ष्य में शिक्षा को बढ़ावा देना आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता कार्यक्रम सुरजोबाई बालिका इंटर कालेज हाथरस आयोजित किया गया। जिसमें संरक्षण अधिकारी विमल कुमार शर्मा ने शिक्षा के महत्व को बालिकाओं को समझाया गया कि शिक्षा निरंतर जीवन में चलती है शिक्षा के द्वारा अपने जीवन को सुधार सकते है,साथ ही विभाग द्वारा चलाई जा रही योजना को विस्तार से बताया गया।

वन स्टॉप सेंटर की प्रबंधक मनीषा भारद्वाज वन स्टाप सेंटर की कार्यप्रणाली एवं वहां प्राप्त होने वाली सेवाओं कानूनी सहायता, अस्थाई आश्रय, मनोसामाजिक परामर्श, चिकित्सीय सहायता एवं पुलिस सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इसके साथ दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005 की जानकारी दी गई तथा सरकार द्वारा चलाये जा रहे निशुल्क हेल्पलाइन नम्बरों जैसे 181 (महिला हेल्पलाइन), 1090 (वूमेन पावर लाइन), 108 (एम्बुलेंस सेवा), 102 (स्वास्थय सेवा), 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) इत्यादि नम्बरों के बारे में अवगत कराया गया।

मोबाइल दुकानदार के गले से दिन-दहाड़े झपटटा मार तोडी जंजीर

घटना की जानकारी करती पुलिस की टीम

हाथरस-। शहर में आज सुबह बदमाशों ने बीच बाजार में एक दुकानदार से लाखों रुपए कीमत की चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम देकर हड़कंप मचा दिया। पैदल चलकर आया एक शातिर युवक एक मोबाइल फोन विक्रेता के गले से तीन तोले की सोने की चेन छीन कर भाग गया। इस चेन में एक तोले का लॉकेट भी पड़ा था।

थोड़ी दूरी पर जाकर यह बदमाश अपने एक साथी के साथ बाइक पर बैठकर वहां से भाग गया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।घटना के बाद पूरे बाजार में अफरा तफरी का माहौल हो पैदा हो गया। पुलिस ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले को लेकर पूछताछ की।

बताया जाता आज सुबह कोतवाली सदर क्षेत्र के शहर में सादाबाद गेट पर अशोक अरोरा की अरोरा कम्युनिकेशन के नाम से मोबाइल फोन की आमने-सामने दो दुकानें हैं। तभी वहॉ एक युवक आया और उसने उनसे कहा कि वह एक फोन का चार्जर खरीदना चाहता है। बताया जाता है इसी दौरान शातिर युवक ने उनके गले में लटकी सोने की चेन पर झपट्टा मारा और मास्क पहन कर आया यह युवक सोने की चेन को छीनकर पैदल ही सामने गली में भाग गया।

उक्त गली रोड़वेज बस स्टैंड पर जाकर खुलती हैं। वहां इस बदमाश का एक दूसरा साथी बाइक लेकर खड़ा था। उक्त पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस बदमाशों को तलाश रही है। पुलिस द्वारा कई स्थानों पर सीसीटीवी फुटेज को भी देखा गया है और पुलिस बदमाशों की तेजी से तलाश रही है।

हाथरस जंक्शन पुलिस ने जिला बदर सहित दो किये गिरफ्तार

हाथरस-। थाना हाथरस जंक्शन पुलिस द्वारा सराहनीय कार्य करते हुए जिला बदर होने के बाद भी अवैध रुप से जनपद की सीमा मे घुम रहे एक शातिर जिला बदर व 1 अन्य शातिर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 तमंचा व 1 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किये हैं।।

पुलिस अधीक्षक निपुण अग्रवाल के आदेशानुसार चलाये जा रहे संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग अभियान के क्रम में थाना हाथरस जंक्शन पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान कार्यवाही करते हुए जिला बदर चल रहे ब्रांजुल उर्फ अश्वनी को धौरपुर रेलवे फ्लाई ओवर के नीचे से गिरफ्तार किया गया है तथा संजय उर्फ संजू को हाजीपुर फाटक के पास से गिरफ्तार किया गया है । जिनके कब्जे से 2 तमंचा 315 बोर व 1 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुए है ।

पुलिस के मुताबिक थाना हाथरस जंक्शन से जिला बदर अपराधी है,गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी योगेश कुमार, एसआई उमेश तिवारी व अंशुल शर्मा, सचिन राघव, अक्षय राणा, प्रमोद कुमार, परीक्षित वालियान शामिल थे।

इन्सपायर अवार्ड मानक योजना के नामांकन वृद्धि हेतु ब्लॉकवार शिविरों का हुआ आयोजन

फिरोजाबादः- जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद धीरेन्द्र कुमार के निर्देशन, जिला सह नोडल अधिकारी अश्वनी सितम्बर 2024 को इन्सपायर कैम्प आयोजित किए गए। डीआईओएस धीरेन्द्र कुमार ने चयनित ब्लॉकवार विद्यालय के से अधिक विद्यार्थियों के नामांकन भी कराए गए हैं।

ब्लॉकवार कैम्पों में यतेन्द्र कुमार, प्रमोद कुमार यादव,

कुमार जैन एवं ब्लॉकवार नोडल अधिकारियों के संयोजन में इन्सपायर अवार्ड मानक योजना के नामांकन में वृद्धि हेतु 08 ब्लॉक क्रमशः फिरोजाबाद में एम जी बालिका इंटर कॉलेज फिरोजाबाद, शिकोहाबाद में पाली इंटर कॉलेज शिकोहाबाद, नारखी में आर आर एम इंटर कॉलेज बछ गॉव, खैरगढ़ में एस जी एम इंटर कॉलेज खैरगढ़, टूण्डला में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज टूण्डला, मदनपुर एवं अरांव में श्री एम डी जैन इंटर कॉलेज सिरसागंज, एका में एस पी जी इंटर कॉलेज एका और जसराना में एल आर इंटर कॉलेज जसराना में दिनाँक 10 प्रधानाचार्यों, नोडल अधिकारियों, सहयोगी विज्ञान अध्यापकों, कम्प्यूटर ऑपरेटरों को निर्देशित किया था

कि वे चयनित विद्यालयो में दिनाँक 10-09-2024 एवं 13-09-2024 को आयोजित कैम्प में इन्सपायर अवार्ड मानक योजना में नामांकन में वृद्धि कराएं।

अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि दिनाँक 10 सितम्बर 2024 को ब्लॉकवार विद्यालयों में आयोजित कैम्पों में 72 विद्यालयों ने नामांकन के प्रथम चरण के अंतर्गत अपने विद्यालयों को इन्सपायर अवार्ड की वेबसाइट पर नामांकन कराया गया इसके साथ ही 50 राजकपूर, हरिश्चन्द्र, श्रीमती मुदिता पाण्डे, संजीव यादव, राम पाल सिंह, कुंवरपाल करोलिया, सुधीर कुमार, प्रेमस्वरूप, श्रीमती पूनम प्रकाश, रवि प्रकाश, सुनील पाण्डे, नीरज चौहान, श्यामपाल, नीरज जैन, प्रवेश पाण्डे, अंजय जैन, सतवीर सिंह, निर्भय जैन, दीपक कुमार, राजकुमार सिंह, दीपक शर्मा, श्रीमती प्रज्ञा भारती, हिमांशु शर्मा, हरिओम, आशीष यादव, श्रीमती भारती शर्मा, शिवांगी लवानिया, मो तोहिद, ओमवीर, कुलदीप वर्मा, राजीव कान्त, कमलेश कुमार, सुधीर यादव आदि का सहयोग रहा। २र्१२र्१

ट्रेन से कटकर युवक की मौत, कोहराम

शिकोहाबाद। अयोध्या से बांदीकुई राजस्थान जा रही एक महिला ट्रेन में भीड़ होने के कारण चलती ट्रेन से रेलवे स्टेशन पर गिर पड़ी। जिससे उसके गंभीर चोटें आई हैं। आरपीएफ ने महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद 108 एंबुलेंस से उसे पीजीआई लखनऊ में भेजा है।

गोंडा के नगवा फकीरगंज निवासी दद्दन सिंह अपनी पत्नी उर्मिला (50) के साथ अयोध्या घूमने गये थे। अयोध्या से लखनऊ पहुंचे और फिर वहां से मरुधर एक्सप्रेस से मेंहदीपुर बालाजी राजस्थान के लिए जा रहे थे। मंगलवार सुबह जब ट्रेन शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो ट्रेन की रफ्तार धीमी हो गई। इसी दौरान महिला शौच के लिए जाने लगी। कंपार्टमेंट में भीड़ होने के कारण जब वह शौच के लिए जा रही थी, तभी भीड़ होने के कारण निकलते समय धक्का लग गया और महिला ट्रेन से नीचे गिर पड़ी। जिससे उसके गंभीर चोटें आईं। हादसे की जानकारी होते ही आरपीएफ मौके पर पहुंची और घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद महिला को 108 एंबुलेंस से पीजीआई लखनऊ के लिए रेफर दिया।

किन्हीं कारणों के चलते युवक ट्रेन के आगे कूदा

शिकोहाबाद। नगर के मोहल्ला रहचटी निवासी एक युवक ने मंगलवार सुबह साढ़े चार बजे अज्ञात ट्रेन के आगे कूद कर आत्महत्या कर ली। जानकारी होने पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की। जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज भेजा है।

हरिओम (25) निवासी मुस्तफाबाद रहचटी सुबह चार बजे घर से निकल गया। जब इसकी जानकारी परिजनों को हुई तो वह उसके पीछे उसे ढूंढने निकल पड़े। लेकिन साढ़े चार बजे युवक अज्ञात ट्रेन के आगे कूद गया और उसकी मृत्यु हो गई। परिजनों ने मौके पर पहुंच कर शव की शिनाख्त की। इसके बाद पुलिस ने शव कब्जे में लेकर फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज के लिए भेज दिया है। इस संबंध में मृतक के परिजनों ने बताया कि वह सुबह माधौगंज की कह कर निकला था। ट्रेन की चपेट में कैसे आ गया, इसकी कोई जानकारी नहीं है।

पत्नी व सास के साथ मारपीट करने वाले पति के खिलाफ मुकदमा, जेल भेजा

फिरोजाबाद। न्यायालय परिसर में सोमवार को पत्नी व सास के साथ मारपीट के मामले में युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

जैन नगर निवासी प्रीति के साथ पति देवेंद्र पुत्र कृपाल सिंह निवासी नगला नंदा थाना बरनाहल मैनपुरी ने मारपीट कर दी। बचाने आई उसकी मां को भी मारा पीटा।

महिला न्यायालय में तारीख करने को गई थी। मारपीट देख पॉलिकर्मियो के उसे पकड़ लिया। पुलिस उसे पकड़ कर थाने ले गई।

प्रीती ने पति के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने देर रात कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया।

पुलिस ने उसके खिलाफ कार्यवाही कर उसे जेल भेज दिया।

थाना प्रभारी ने बताया अभियुक्त को जेल भेज दिया गया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत 14, ढाई लाख वाद निस्तारण का लक्ष्य

फिरोजाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जिलाधीश हरवीर सिंह की अध्यक्षता में 14 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। जिसमें लगभग ढाई लाख वादों के निस्तारण का लक्ष्य रखा गया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी देते हुए बताया कि राजीव सिंह नोडल अधिकारी अपर जनपद न्यायाधीश पोक्सो कोर्ट संख्या 3 फिरोजाबाद एवं प्राधिकरण के सचिव पीयूष सिद्धार्थ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश फिरोजाबाद के द्वारा मंगलवार दोपहर डेढ़ बजे एडीआर भवन पर इलैक्ट्रानिक एवं प्रिन्ट मीडिया के समन्वय से प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि वादों के निश्तारण हेतु आयोजित विशेष लोक अदालत 11 से 13 सितंबर तक तथा आबीर्टेशन वादों हेतु आयोजित विशेष लोक अदालत 14 सितंबर एवं राष्ट्रीय लोक अदालत को व्यापक रूप से सफल बनाने के उद्देश्य से की गयी।

वार्ता में राजीव सिंह नोडल अधिकारी ने बताया कि 14 सितंबर को आयोजित आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रशासन द्वारा अब तक राजस्व के 38047 वाद,अन्य विभागों द्वारा 55071 वाद और बैंक ऋण संबंधी 36792 वाद निस्तारण हेतु चिन्हित किये गये हैं।

टेलीफोन के बकाया मामलों में बीएसएनएल द्वारा 1641 वाद चिन्हित किये हैं, पक्षकारों को नोटिस प्रेषित किये गये हैं। पक्षकार बिल को अदा कर राष्ट्रीय लोक अदालत में छूट का लाभ उठा सकते हैं। एसे ही विद्युत सम्बन्धी वादों में 543 वाद चिन्हित किये गये हैं। जिनके विद्युत चोरी सम्बन्धी वाद विचाराधीन हैं वे इस लोक अदालत में विद्युत बिल का भुगतान कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। गेल गैस लिमिटेड द्वारा गैस के बकाया बिलों के निस्तारण हेतु कुल 264 वाद लगाये गये हैं। न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत में अब तक 16558 वाद निस्तारण हेतु चिन्हित किये गये हैं। पेटी आफेंस के वादों हेतु आयोजित विशेष लोक अदालत 11,12 व 13 को तथा आबीर्टेशन वादों हेतु आयोजित विशेष लोक अदालत 14 को आयोजित की जा रही है।

पीयूष सिद्धार्थ,अपर जनपद न्यायाधीश सचिव द्वारा यह अवगत कराया गया कि बैंक के ऋण सम्बन्धी लगभग 36792 वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण हेतु चिन्हित किया गया है। जिसमें प्राधिकरण की ओर से भी नोटिस प्रेषित किये गये हैं।

उप निर्वाचन अधिकारी/एडीएम विशु राजा ने विशाल यादव (समाजसेवी) को किया सम्मानित

जिले में स्वीप प्रोग्राम,ईएलसी कार्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय, उत्कृष्ट एवं अभिनव कार्य के लिए मोमेंटो लोकसभा चुनाव में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत इंडस्ट्रियल एरिया,नगर की कॉलोनी,स्कूल,कॉलेज आदि महिलाओं,बुजुर्गों,युवाओं को मतदान करने के लिए तरह-तरह की गतिविधियां आयोजित करने का कार्यक्रम

एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

विशाल यादव (समाजसेवी) इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य भी हैं। इन्होंने बताया कि ईएलसी के सहायक नोडल अधिकारी हिमांशु शर्मा के साथ मिलकर मतदाता सूची का पुनरीक्षण अभियान एवं में कार्यक्रम संचालित कर लोगों को मतदान हेतु जागरूक करने का प्रयास किया गया था। विशाल यादव ने कहा कि ईएलसी के सहायक नोडल अधिकारी हिमांशु शर्मा के सहयोग से जनपद में नागरिकों को मतदान हेतु जागरूक करने का कार्यक्रम संचालित किया गया था। जिसमें किया गया। गरीबों,जरूरत मंद की मदद करने के लिए हमेशा अग्रणी रहते हैं इनके द्वारा विद्यालयों में गरीब विद्यार्थियों को स्टेशनरी,किताबें,कॉपी आदि उपलब्ध कराई गई है।विशाल यादव ने पुरस्कार प्राप्त करने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है।

आई जी रेलवे सुरक्षा बल ने सुरक्षा को लेकर दिए निर्देश

फिरोजाबाद। रेलवे सुरक्षा बल के प्रधान सुरक्षा आयुक्त प्रयागराज ए एन सिन्हा ने सोमवार को फिरोजाबाद थाने का निरीक्षण किया। कमियों को

दूर करने के निर्देश दिए।

आई जी आरपीएफ प्रातः फिरोजाबाद पहुंचे। उन्होंने स्टेशन पर नव निर्मित बैरक का निरीक्षण किया। बाद में उन्होंने कैश गार्ड,मालखाना तथा मैस का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पाई कमियों को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने को कहा। रेलवे लाइन क्रास करने वालो के खिलाफ करवाही करने को कहा। इसके अलावा रेल सुरक्षा संबंधी प्रत्येक बिंदुओ पर नजर रखने को कहा।

उन्होंने रेलवे ट्रेक पर नियमित पेट्रोलिंग करने को कहा। जिससे रेलवे ट्रेक की सुरक्षा हो सके।

कानपुर के समीप रेलवे ट्रेक पर मिले सिलेंडर के बारे में पूछे सवाल के जबाव में उन्होंने बताया घटना नॉर्थ ईस्ट रेलवे क्षेत्र की है। मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने सिविल पुलिस व जीआरपी के साथ संयुक्त रूप से रेलवे ट्रेक पर पेट्रोलिग के बारे में योजना तैयार की जा रही है। इस संबंध ने कानपुर के पुलिस कमिश्नर से बात की गई है।

आईजी रेलवे सुरक्षा बल वार्षिक निरीक्षण पर आए थे। उन्होंने स्थानीय स्टाफ को कई बिंदुओं पर आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एरिया कमांडेंट सुरक्षा एम एस शेखावत, थाना प्रभारी टूंडला अमित कुमार कार्यवाहक थाना प्रभारी फिरोजाबाद नंदराम वर्मा तथा स्टाफ के सभी लोग उपस्थित थे।

ससुराल में युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

जसराना। पारिवारिक कलह के चलते एक युवक ने ससुराल में पहुंचकर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। जिससे युवक के परिवार में चीख पुकार मच गई। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भिजवाया है।

जसराना के पाढ़म निवासी 45 वर्षीय पप्पू पुत्र रतनपाल ने परिवार की कहासुनी को लेकर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। युवक ने अपनी ससुराल दिनौली गोरवा में जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

युवक की पत्नी अपने 6 बच्चों के साथ अपने मायके दिनौली गोरवा में रह रही थी। मृतक पप्पू शराब पीने का आदी था। परिवार के लोगों ने बताया कि शराब पीकर आए दिन पत्नी बच्चों के साथ मारपीट करता रहता था। इसी कलह को लेकर उसने आत्महत्या कर जान दे दी है। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भिजवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हुमाना पिपुल टू पिपुल इंडिया संस्था के द्वारा और ग्रामीण इंडियन

जसराना फिरोजाबाद सपोर्टिंग ट्रस्ट (रिस्ट) के सहयोग से चलाए जा रहे, कदम प्लस

प्रोग्राम के तहत आज बीएसए कार्यालय आगरा में रिव्यू मीटिंग का आयोजन किया गया।जिसका संचालन डी.ओ. धर्मचंद शर्मा ने किया। जिसमे बीएसए जितेंद्र गोड, कुलदीप तिवारी (डीसी ट्रेनिंग) और कदम प्रोग्राम चल रहें, सभी 43 स्कूलों के हेडमास्टरो और कदम वोलिंटरों ने भाग लिया। मीटिंग में सभी 43 स्कूलों के हेडमास्टरो ने कदम प्रोग्राम के बारे बताया कि कदम प्रोग्राम से बच्चों की संख्या में वृद्धि और लर्निंग गैप में मदद मिली हैं, बीएसए सर और डीसी सर ने भी कदम प्रोग्राम की प्रसंशा की। अंत में सभी को रिफरेशमेंट करवाया गया। कदम संस्था की तरफ से एमआईएस ऑफिसर कौशलेन्द्र,एक्सीलेटर विशाल, कमल शर्मा, हरीश, राजेश, सुष्मिता और सभी वोलिंटियरों ने मीटिंग को सफल बनाने में सहयोग किया।

बीडीएम गर्ल्स डिग्री कॉलेज में हुई कार्यशाला

शिकोहाबाद। बीडीएम गर्ल्स डिग्री कॉलेज सोमवार को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें नये प्रवेश लेने वाली छात्राओं को विद्यालय की शिक्षिकाओं ने गुणवत्तापरक व नियमित शिक्षण प्रक्रिया के लाभों के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर गीता यादवेन्दु ने की। इस अवसर पर आईक्यूएसी प्रभारी प्रो. सीमारानी जैन और सह प्रभारी दर्शना कुमारी के संयोजन में नवागंतुक छात्राओं हेतु ओरिएन्टेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ शारदे की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। प्राचार्या ने न केवल इतिहास विषय अपितु गुणवत्तापरक व नियमित शिक्षण प्रक्रिया के लाभों से अवगत कराते हुए छात्राओं को शुभकामनाएं देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय की समस्त शिक्षिकाओं द्वारा न केवल अपने विषय से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की अपितु महाविद्यालय में संचालित पाठ्य सहगामी क्रियाकलाप एनएसएस व रेंजर्स, शारीरिक शिक्षा,उर्दू,पेंटिंग इत्यादि गतिविधियों के विषय में भी विस्तार से बताया। संचालन दर्शना कुमारी ने किया। इस अवसर पर डॉ. सीमारानी,डॉ. नीलम,डॉ.नम्रता प्रसाद,डॉ. ममता भारद्वाज, नूतन रायजादा व संगीता ने अपने विषयों के बारे में जानकारी दी।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ.मोनिका सिंह ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की सभी शिक्षिकाएं एवं शिक्षण कर्मचारी उपस्थित रहे।

शराब के लिए रुपये ना देने पर की मारपीट

शिकोहाबाद। एक डेयरी संचालक के चालक को रोक कर गांव के ही कुछ लोगों ने शराब पीने के लिए रुपये मांगे। जब उसने रुपये देने से मना किया तो उन्होंने गाड़ी चालक के साथ मारपीट कर दी। जब वह चिल्लाया तो आसपास के लोग आ गए और मारपीट करने वाले भाग गये।

पीड़ित डेयरी संचालक श्यामवीर सिंह ने थाने में तहरीर दी है। उसने कहा है कि सोमवार को उसके यहां से दूध लेकर चला चालक गिर्राजसिंह को गांव के ही कुछ लोगों ने रोक लिया और उससे शराब के लिए रुपये मांगने लगे। जब उसने रुपये देने से रोका तो उन्होंने मारपीट कर दी। जब उसने जोर से चिल्लाया तो गांव के अन्य लोग दौड़ पड़े। लोगों को आता देख आरोपी युवक भाग गये। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है।

फिरोजाबाद में शिक्षा व्यवस्था की समस्याएं: कोचिंग सेंटरों का अवैध संचालन और प्राइवेट स्कूलों में मनमानी

फिरोजाबादः फिरोजाबाद जिले में शिक्षा व्यवस्था की कई समस्याएं हैं, जिनमें से एक प्रमुख समस्या है कोचिंग सेंटरों का अवैध संचालन। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा कोचिंग सेंटरों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है, लेकिन प्राइवेट स्कूलों और कॉलेजों में फीस, किताबें, कापी और ड्रेस के नाम पर मनमानी हो रही है, जिसके खिलाफ अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

इस समस्या के कारण छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है और वे अपने भविष्य के लिए चिंतित हैं। जिला प्रशासन को इस समस्या का समाधान करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए।

फिरोजाबाद में कोचिंग सेंटरों का अवैध संचालन एक बड़ी समस्या है। ये सेंटर बिना अनुमति के संचालित हो रहे हैं और छात्रों को गलत जानकारी दे रहे हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा इन सेंटरों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है, लेकिन अभी तक कोई बड़ा परिवर्तन नहीं हुआ है।

कोचिंग सेंटरों का सही समय दोपहर 2 बजे के बाद से होना चाहिए, ताकि छात्र स्कूल की पढ़ाई के बाद ही कोचिंग में भाग ले सकें। लेकिन कई सेंटर स्कूल के समय में ही संचालित हो रहे हैं। कल स्कूल के समय में ही कोचिंग सेंटर पर कार्यवाही हुई, जिसमें कई छात्रों को पकड़ा गया और उन्हें घर वापस भेजा गया। इस कार्यवाही से कोचिंग सेंटरों में हड़कंप मच गया है और कई सेंटरों ने अपना संचालन बंद कर दिया है।

लेकिन फिर भी ग्रामीण अंचलों के आसपास भी ऐसे कई कोचिंग सेंटर चल रहे हैं, जो अवैध रूप से संचालित हो रहे हैं। इन सेंटरों पर भी कार्यवाही की आवश्यकता है ताकि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

प्राइवेट स्कूलों और कॉलेजों में फीस, किताबें, कापी और ड्रेस के नाम पर मनमानी हो रही है। ये स्कूल और कॉलेज छात्रों से अधिक फीस ले रहे हैं और उन्हें गलत जानकारी दे रहे हैं। अभिभावकों को अपने बच्चों के अधिकारों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए ताकि वे अपने बच्चों के हितों की रक्षा कर सकें।

पुलिस ने रेप का अभियुक्त पकड़ा

फिरोजाबाद। थाना मक्खनपुर पुलिस ने बलात्कार के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे जेल भेजा है।

प्रभारी निरीक्षक शेर सिंह थाना मक्खनपुर पुलिस ने बल के साथ चैकिंग के दौरान सैयद तिराहे से रेप के अभियुक्त को पकड़ा।

थाने ले जाकर उससे पूछताछ की। पुलिस ने उसका नाम अरविन्द कुमार पुत्र भूरी सिंह बताया है। वह गांव रसूलपुर थाना मक्खनपुर का रहने वाला है।

थाना प्रभारी ने बताया अरविंद के खिलाफ महिला में मुकदमा दर्ज कराया था। उसके खिलाफ कार्यवाही कर उसे जेल भेजा है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रशान्त वशिष्ठ के लिये पुष्प प्रिंटर्स, बौधाश्रम फिरोजाबाद से छपकर कार्यालय दैनिक सच क्या है बौधाश्रम फिरोजाबाद से प्रकाशित।
सम्पादक- छीतरिया शर्मा
फोन नं. 05612297399. 9411927251, 9259041013, 9997830502
E-mail fzd@suchkyahai.com
suchkyahai@gmail.com
suchkyahai87@gmail.com